संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 87
पृष्ठ 8
रविवार
15 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मक्के की रोटी और....

विचार- अब कपूर खानदान में ....

खेल- गाबा टेस्ट का पहला....

एसजीपीजीआई का स्थापना दिवस समारोहः सीएम योगी आदित्यनाथ बोले-

तैयारी इतनी शालीनता से करो कि सफलता शोर मचा दे

लखनऊ। राजधानी स्थित एसजीपीजीआई का 41वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। कहा कि तैयारी इतनी शालीनता से करो कि सफलता शोर मचा दे। राजधानी लखनऊ में शनिवार को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) का 41वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। उनके साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संजय गांधी पीजीआई से देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में स्वास्थ्य का मानक तय करता है। कोरोना महामारी के दौरान

36 जनपदों में आईसीयू नहीं थे। ऐसे में संस्थान के निदेशक ने सुझाव दिया कि हम लोग टेली आईसीयू चला सकते हैं। उनकी सहायता से प्रदेश में वर्चुअल आईसीयू प्रारंभ किया था। इससे हजारों लोगों की जान को बचाने में मदद मिली थी। उन्होंने कहा कि देश का यह पहला संस्थान हैं जिसे सीएसआर से पांच सौ करोड़ मिले हैं। इस दौरान सीएम योगी ने के डॉक्टरों को संबोधित करते हुए एक दार्शनिक की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि जीत की तैयारी इतने शालीनता के साथ करो कि आपकी सफलता शोर मचा दे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि युवाओं को अपनी जीवन शैली सुधारने के लिए कहा। स्थापना दिवस पर विशाखापट्टनम के गीतम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च की प्रो वाइस चांसलर प्रो. डॉ. गीतांजलि बैटमैन बाने ने मुख्य भाषण दिया। इस मौके पर शोध दिवस में अच्छे पेपर प्रस्तुत करने वाले 19 शिक्षक और 24 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. आरके धीमन ने सभी का आभार जताया। पिछले साल की उपलब्धियों का ब्योरा पेश किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉक्टरों को ब्रेन डेड व्यक्तियों के घरवालों को जागरूक करने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों के शरीर का अंतिम संस्कार कर दिया जाता है। इसके चलते वह शरीर किसी के काम नहीं आ पाता है। अगर अंगदान हो जाए तो एक ब्रेन डेड व्यक्ति से कई जरूरतमंदों को नया जीवन मिल सकता है। अगर नेता अंगदान की बात करते हैं तो उसे कम गंभीरता से लिया जाता है। वहीं अगर डॉक्टर यह बात कहेंगे तो उसे ठीक तरह से लिया जाएगा। यह इलाज से हटकर सामाजिक जिम्मेदारी है जिसे डॉक्टरों को निभाना चाहिए। हालांकि अभी भी काफी डॉक्टर यह काम कर रहे हैं।

अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर पनपता है लोकतंत्र- धनखड़

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र केवल प्रणालियों पर ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर केंद्रित मूल मूल्यों पर भी पनपता है।

श्री धनखड़ ने यहां भारतीय डाक एवं दूर संचार लेखा और वित्त सेवा के 50वें स्थापना संबोधित करते हुए कहा कि आज की संस्थागत चुनौतियाँ भीतर और बाहर से अक्सर सार्थक संवाद और प्रामाणिक अभिव्यक्ति के क्षरण से उत्पन्न होती हैं। विचार की अभिव्यक्ति और सार्थक संवाद दोनों ही लोकतंत्र के अनमोल रत्न हैं। अभिव्यक्ति और संचार एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, डिजिटल संचार आयोग के वित्त सदस्य मनीष सिन्हा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

श्री धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र केवल व्यवस्थाओं पर नहीं, बल्कि मूल मूल्यों पर पनपता है। इसे अभिव्यक्ति और संवाद के नाजुक संतुलन पर केंद्रित होना चाहिए। अभिव्यक्ति और संवाद, ये जुड़वां ताकतें लोकतांत्रिक जीवन शक्ति को आकार देती हैं। उनकी प्रगति को व्यक्तिगत पदों से नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक लाभ से मापा जाता है। उन्होंने कहा कि

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा इस बात का उदाहरण है कि विविधता और विशाल जनसांख्यिकीय क्षमता राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे सकती है। लोकतांत्रिक स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता राष्ट्रीय विकास में बराबर भागीदार हैं।

स्व-लेखा परीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, ष्सेल्फ ऑडिट बहुत जरूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को गिराने का सबसे पक्का तरीका है, उसे या सज्जन या सज्जन महिला को जांच से दूर रखना। आप जांच से परे, आपका पतन निश्चित है। और इसलिए, आत्म-लेखा परीक्षा, स्वयं से परे एक लेखा परीक्षा, आवश्यक है।

विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और तालमेल पर जोर देते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा, ष्एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में विभागों के बीच सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। हमें एक दूसरे के साथ तालमेल में रहना चाहिए, हमें एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। मैंने अक्सर सभी को यह समझाया है कि शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत कुछ और नहीं बल्कि तीन संस्थाओं, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्हें सामंजस्य के साथ काम करना चाहिए।

तीसरी बार दिल्ली कूच, आंसू गैस के साथ चली वाटर कैनन

चंडीगढ़। पंजाब के किसान फरवरी से अपनी मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर बैठे हैं। किसान दो बार दिल्ली कूच का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन दोनों बार हरियाणा पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया था।शनिवार को फिर किसानों ने दोपहर 12 बजे दिल्ली की तरफ कूच किया।

किसान आगे जाने के लिए रास्ता मांगते रहे वहीं पुलिस का कहना था कि किसान दिल्ली जाने की अनुमति दिखाएं और आगे जाएं। पुलिस का कहना था कि यदि किसानों के पास अनुमति है तो वे खुद उन्हें दिल्ली तक छोड़कर आएंगे। इसके बाद किसानों की तरफ से बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया गया। जिसके बाद पुलिस ने किसानों पर वाटर कैनन का प्रयोग किया। इसके अलावा आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

किसानों का आरोप है कि एक्सपायरी डेट के आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। इससे किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने आरोप लगाया कि पुलिस की तरफ से गंदा पानी फेंका जा रहा है। केमिकल वाला स्प्रे किया जा रहा है। किसानों पर पुलिस ने ड्रोन से भी आंसू गैस के गोले छोड़े। करीब दो घंटे की कशमकश के बाद किसानों का जत्था वापस लौट गया। अब किसान नेता प्रेस कांफ्रेंस कर अगली रणनीति की जानकारी देंगे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि हम चाहते हैं कि देशभर के किसान अपनी आवाज उठाएं, अगर वो ऐसा करेंगे तो आंसू गैस समेत ये सारी चीजें बंद कर दी जाएंगी और हमें दिल्ली जाने दिया जाएगा और हमारी मांगें पूरी की जाएंगी। हरियाणा पुलिस जनता को गुमराह कर रही है। 100 लोगों का पैदल चलना देश के लिए खतरनाक कैसे हो सकता है?

भाजपा हर समय करती है संविधान पर हमला-राहुल

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हर समय संविधान पर हमला करती है और मोदी सरकार देशवासियों का हक एक उद्योगपति के हवाले कर देश के किसानों, मजदूरों, गरीबों, दलितों तथा पिछड़ों का हिस्सा उनको दे रही है।

श्री गांधी ने शनिवार को 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा' में हिस्सा लेते हुए कहा कि अभय मुद्रा का आईडिया भगवान शिव, भगवान कृष्ण, गुरुनानक, महात्मा बुध, कबीर आदि महापुरुषों से मिला। यह संविधान इन्हीं महापुरुषों की अभय मुद्रा के भाव से आया है जिसमें सबको निर्भय रहने की बात कही गई है। मनुस्मृति आज का कानून है और यह बात उन्हीं सावरकर ने कहा है जो आरएसएस की विचारधारा को आगे बढाने का काम करते रहे हैं। संविधान को लेकर जब आरएसएस के लोग बात करते हैं तो वे अपने नेता और अपनी विचारधारा को गाली देते हैं उनका अपमान करते हैं। उत्तर प्रदेश में संविधान का नहीं 'मनुस्मृति' का कानून चल रहा है और वहां गरीब की सुनवाई नहीं हो रही है।

उन्होंने कहा कि 'भारत के संविधान के बारे में सबसे बुरी बात यह है कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है' यह बात भाजपा की विचारधारा के पोषक महापुरुष नेता ने कही थी जिनकी भाजपा के लोग पूजा करते हैं। दलितों के संदर्भ में एकलव्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कि गुरु द्रोणाचार्य ने एकलव्य की जाति के आधार पर उनका गुरु बनने से इनकार कर दिया था तो एकलव्य अकेले धनुषवाण चलाने की तपस्या करने लगे। काफी समय बाद उसी जंगल में एकलव्य ने अपने बाणों से एक कुत्ता बाधक बना लिया और कुत्ते को नुकसान पहुंचाए बिना उसे चारों ओर से बाणों से घेर लिया। जब द्रोणाचार्य उस वन से निकल रहे तो उन्हें कुत्ते की यह हालत देखकर आश्चर्य हुआ तो बोले यह काम किसने किया। एकलव्य ने स्वीकार किया और बोले कि आपकी मूर्ति बनाकर उसके सामने मैंने धनुष विद्या हासिल की है। द्रोणाचार्य ने कहा कि आपने शिक्षा ली है इसलिए दक्षिणा दीजिए। गुरु द्रोणाचार्य ने गुरु दक्षिणा के रूप में एकलव्य से उसका अंगूठा मांग लिया। इसी तरह से भाजपा हिंदुस्तान के युवकों का अंगूठा काटने में लगी है और भाजपा सरकार आज इसी तरह से अडानी को सारे काम देकर देश के युवाओं, गरीबों, कमजोरों का अंगूठा काट रहे हैं। उनका कहना था कि सरकार ने अग्निवीर योजना लेकर युवकों का अंगूठा काटा है, 70 बार पेपर लीक करवा कर सरकार ने युवाओं का अंगूठा काटा है। किसान अपने हक की लड़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन किसान की बात नहीं की जा रही है और उसका भी अंगूठा काटा जा रहा है। श्री गांधी ने भाजपा पर हर समय और 24 घंटे संविधान का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा लोगों के संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही है। जबकि विपक्षी गठबंधन मिलकर देश के संविधान को बचाने का काम कर रहा है।

इजरायल ने बंगलादेशी हिंदुओं के साथ एकजुटता व्यक्त की

मुंबई। इजरायल ने बंगलादेश में रहने वाले हिन्दू समुदाय के लोगों के साथ गहरी एकजुटता व्यक्त की है तथा उनके साथ होने वाले उत्पीड़न और हिंसा की कड़ी निंदा की है। मुंबई स्थित इजरायल के महावाणिज्यदूत कोब्बी शोशनी ने शनिवार को सुबह विश्व हिंदू आर्थिक मंच (डब्ल्यूएचईएफ) 2024 के पूर्ण सत्र के दौरान अपने संबोधन में बंगलादेश में हिंदू समुदाय के साथ गहरी एकजुटता व्यक्त की और उनके साथ होने वाली हिंसा और उत्पीड़न की निंदा की।

इजरायली राजनयिक की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बंगलादेशी हिंदुओं की दुर्दशा ने अंतरराष्ट्रीय ध्यान और चिंता आकर्षित की है। श्री शोशनी ने कहा, ष्वहां जो हो रहा है वह अस्वीकार्य है। उन्होंने इस अल्पसंख्यक समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की तत्काल

आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यहूदियों के ऐतिहासिक अनुभवों का हवाला देते हुए पीड़ा की साझा समझ को व्यक्त किया, जो बिना किसी डर या उत्पीड़न के भारत में रहते आए हैं। उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि बेटियों और बच्चों की हत्या और अपराधियों द्वारा उनका कत्ल किया जाना कैसा होता है। उन्होंने हाल ही में दोनों समुदायों को प्रभावित करने वाली त्रासदियों का संदर्भ दिया।

श्री शोशनी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार को इजरायल और बंगलादेशी हिंदुओं के प्रति उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, 07 अक्टूबर, 2023 को हमारे साथ जो हुआ, उसे हम कभी नहीं भूलेंगे।इजरायली महावाणिज्यदूत ने कहा कि सुरक्षा और उग्रवाद से जुड़ी चुनौतियों में इजरायल और भारत दोनों की ही समानताएं हैं। उन्होंने दूरसंचार और चिकित्सा प्रौद्योगिकी में प्रगति का हवाला देते हुए यह भी बताया कि संकटों से नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है। श्री शोशनी ने दोनों देशों के लिए मजबूत सैन्य और आर्थिक नींव के महत्व पर जोर दिया।

रत्न जड़ित रथों और बग्घियों पर सवार होकर छावनी प्रवेश के लिए निकले जूना अखाड़े के नागा संन्यासी

प्रयागराज। देश के सबसे बड़े दशनामी परंपरा के संन्यासियों के अखाड़े के रूप में जूना अखाड़े की पेशवाई (छावनी प्रवेश) पूरे राजशाही अंदाज में हुई। इसमें देश–दुनिया से 10 हजार से अधिक नागा संन्यासियों ने हिस्सा लिया। शनिवार को अस्त्र–शस्त्र, बैंडबाजा के साथ सुसज्जित रथों पर जूना अखाड़े के संत सवार हुए। इस छावनी प्रवेश की पेशवाई में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद समेत 65 से अधिक महामंडलेश्वर शामिल रहे। रथों, बग्घियों के अलावा घोड़ों को सुसज्जित किया गया था। सोने, चांदी के हौदे और सिंहासन पर संन्यासी विराजमान रहे। यमुना तट स्थित मौजगिरि आश्रम से दोपहर 12रू30 बजे छावनी प्रवेश के लिए जूना अखाड़े का विशाल काफिला निकला। सबसे आगे अखाड़े के देवता चल रहे थे। इनके बादरमता पंच, शंभू पंच, श्री पंच, बूढ़ा पंच घोड़ों पर सवार होकर चल रहे थे। घोड़ों पर डंका–निशान और ध्वजा–पताकाएं लेकर नागा संन्यासी आगे बढ़ रहे थे। शंखनाद, डमरूनाद के साथ ही तरह–तरहके बैंडबाजे पेशवाई के दौरान बज रहे थे। गुरु दत्तात्रेय की चरण पादुका भी रथारूढ़ रही। जूना अखाड़े के प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि पूरे सजधज के साथ छावनी प्रवेश हुआ। इसमें 10 हजारे अधिक नागा संन्यासियों ने हिस्सा लिया। संन्यासिनियां और महिला महामंडलेश्वर भी रथों पर सवार होकर निकलीं। इसमें 65 से अधिक महामंडलेश्वर अलग–अलग रथों पर सवार रहे। 150 से अधिक रथों पर संतों की सवारियां निकलीं। जूना अखाड़े के संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि ने छावनी प्रवेश की तैयारियों को एक दिन पहले ही अंतिम रूप दे दिया था। इस विशाल छावनी प्रवेश में नागा संन्यासी अस्त्र–शस्त्र के साथ आगे चल रहे थे। इसमें बड़ी संख्या में किन्नर संत भी शामिल रहे। आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, जगद्गुरु, पीठाधीश्वर, महंत सहित अन्य पदाधिकारियों ने छावनी प्रवेश में हिस्सा लिया। छावनी प्रवेश के दौरान जगद्गुरु स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती, जूना अखाड़े के अध्यक्ष महंत प्रेमगिरि,गर्गाचार्य मुचकुंद पीठाधीश्वर स्वामी महेंद्रानंद गिरि,जगद्गुरु स्वामी भुवनेश्वरी गिरिभी भी शामिल रहीं।

पूर्व जज बोले, तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं जस्टिस शेखर यादव का बयान

प्रयागराज। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव के बयान का अधिवक्ताओं व सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राजाराम यादव ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति का भाषण सांविधानिक मर्यादा के अंदर है। राजनीतिक दलों से जुड़े अधिवक्ता व नेता अनावश्यक तूल दे रहे हैं। राजाराम इलाहाबाद व राजस्थान हाईकोर्ट में भी जज रह चुके हैं। इन्होंने कई ऐतिहासिक फैसले दिए हैं। वहीं, अधिवक्ताओं ने कहा कि न्यायमूर्ति के भाषण को तोड़–मरोड़ कर मीडिया में प्रसारित किया जा रहा है। क्रिमिनल लॉ प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित बैठक में अधिवक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल व अन्य राजनीतिक दलों ने अपने स्वार्थ में न्यायमूर्ति डॉ.शेखर यादव के विरुद्ध महाभियोग प्रस्तावित किया है। राजनीतिक दल कठमुल्ला शब्द को एक समुदाय के लिए संदर्भित कर रहे हैं। जबकि, इसका अर्थ धर्मांत, कट्टरवादी, नकली गुरु व अल्पज्ञानी मौलवी होता है। इसका किसी समुदाय से लेनादेना नहीं है। अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन से अनुरोध किया है कि हाईकोर्ट की गरिमा को बरकरार रखने के लिए ठोस कदम उठाया जाए। अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता इंद्र कुमार चतुर्वेदी ने की और संचालन महासचिव सुशील शुक्ला ने किया। यहां अधिवक्ता अरुण कुमार शुक्ला, राजकुमार गौतम, पुलक गांगुली, ओंकार मलिक मौजूद रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लाइब्रेरी हॉल में वकीलों ने कहा कि न्यायमूर्ति के भाषण के चुनिंदा अंश को प्रचारित किया जा रहा है। उनका पूरा भाषण सुना जाए तो उसमें ऐसी कोई चीज नहीं कही गई है, जो आपत्तिजनक या असंवैधानिक है। इस दौरान अधिवक्ता चंद्र शेखर अग्निहोत्री, रोहित वर्मा, अमर सिंह, चरन सिंह मौजूद रहे।

साहित्य घराना का सम्मान समारोह 12 जनवरी को

प्रयागराज। साहित्यिक संस्थापक साहित्य घराना आरा बिहार की ओर से 12 जनवरी को बेगम सराय चक मुंडेरा नवीन शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में सम्मान समारोह व कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन नर्वदेश्वर तिवारी की पुण्य स्मृति में आयोजित होगा। संयोजक श्रीराम तिवारी सहज के अनुसार इस अवसर पर देशभर के विभिन्न राज्यों के 50 से अधिक साहित्यकारों को उनके समग्र साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन नर्वदेश्वर तिवारी की पुण्य स्मृति में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर कवि सम्मेलन होगा जिसमें संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह पथिक, अंजु विश्वकर्मा व कई नामचीन कवि काव्य पाठ करेंगे।

केंद्रीय अस्पताल में फाइबर ऑक्सीजन सिलेंडर का उपयोग

प्रयागराज। परेड ग्राउंड में बने केंद्रीय अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए कई अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण फाइबर का बना लाइट वेट ऑक्सीजन सिलिंडर है। तीन फीट ऊंचे ऑक्सीजन सिलेंडर का वजन लगभग चार किलो है। इसे आईसीयू में गंभीर मरीजों के लिए उपयोग किया जाएगा। साथ ही मरीज को यदि रेफर करने की जरूरत होगी तो आसानी के गैस सिलेंडर को साथ में ले जा सकते हैं। अभी तक लोहे के बने ऑक्सीजन सिलेंडर को गंभीर मरीजों के लिए उपयोग किया जाता था। अस्पताल में फाइबर के बने 10 ऑक्सीजन सिलेंडर को हैदराबाद की एक कंपनी से मंगाया गया है। साथ ही ऑपरेशन थियेटर में संक्रमण रहित 20 जोड़ी चप्पल भी मंगाए गए हैं। इसे ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर पहनेंगे।

सीएमपी में शुरू हुई मशरुम की खेती

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज में मशरुम की खेती शुरू की गई है। हालांकि पहले इसे एक वोकेशनल पाठ्यक्रम के रुप में शुरू किया गया पर धीरे–धीरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ ही

कालेज में मशरूम भी उगाया जा रहा है। मशरूम को एक सुपरफूड माना जाता है, क्योंकि इसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज, और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने बताया कि मशरूम की 2000 खाद्य प्रजातियां विश्वभर में पाई जाती हैं, जिनमें से 300 प्रजातियां भारत में हैं।इसकी खेती मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, और पंजाब जैसे राज्यों में की जाती है। भारत में 2021–22 में मशरूम का उत्पादन 1.3 लाख टन था, और इसके उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है।मशरूम से नूडल्स, सूप, पाउडर, अचार, और पापड़ जैसे कई व्यंजन बनाए जाते हैं।इस दौरान कालेज में बटन मशरूम, ओयस्टर (ढिंगरी) मशरूम और मिल्की मशरुम की खेती के साथ ही इसकी खेती की तकनीक सिखाई जाती है।प्राचार्य प्रो. खरे ने कहा कि इसका उद्देश्य छात्रों और किसानों को मशरूम की खेती के व्यावसायिक और पोषणीय लाभों के प्रति जागरूक करना है।

महाकुम्भ के लिए गूगल से किया गया करार

महाकुम्भ नगर। प्रदेश सरकार ने पहली बार गूगल से करार किया है। 27 नवंबर को प्रयागराज आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने गूगल से महाकुम्भ मेला प्रशासन का करार हुआ था। गूगल नेविगेशन पर पहली बार कुम्भ नगरी दिखाई देगी। यानी गूगल के पेज पर जाते ही आप महाकुम्भ अखाड़ा लिखेंगे तो सभी 13 अखाड़ों के बारे में जानकारी मिल जाएगी। साथ ही किस अखाड़े में क्या गतिविधि होगी, उसके ईष्ट देव कौन हैं, उसके आचार्य महामंडलेश्वर कौन हैं और प्रमुख संत कौन हैं, इसकी जानकारी मिलेगी। अखाड़े का इतिहास भी सामने आएगा। वहीं संगम नोज टाइप करते ही आपको संगम जाने वाले रास्ते, वहां तक जाने वाले प्रमुख साधन, संगम के पौराणिक महत्व के बारे में जानकारी मिल जाएगी। लगभग चार हजार हेक्टेयर में बसने वाली इस अस्थाई नगरी के शिविरों की श्री डी ईमेज भी अपलोड की जाएगी। जिससे उस ईमेज पर जाते ही चारों ओर से उसकी स्थिति के बारे में जानकारी हो जाएगी।

11 भाषाओं में हर सवाल का जवाब देगा कुंभ सहायक एप, कलाग्राम में दिखेगी भारत की विरासत

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ में देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पहली बार जेनरेटिव एआई आधारित कुंभ सहायक चौटबॉट एप लॉन्च किया। यह चौटबॉट महाकुंभ से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां देगा। देश की 11 भाषाओं में श्रद्धालु इस एप के जरिये संवाद कर सकते हैं। चौटबॉट लॉन्च करते हुए पीएम ने कहा कि आज के समय में हर एक के मोबाइल पर यूजर फ्रेंडली एप हैं। पहली बार महाकुंभ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चौटबॉट का प्रयोग होगा। महाकुंभ में अधिकतर श्रद्धालु दक्षिणी, पूर्वी और पश्चिमी राज्यों से होते हैं। यह श्रद्धालु अक्सर अपनी स्थानीय भाषा में बात करते हैं कई ऐसे होते हैं, जिन्हें हिंदी नहीं आती और महाकुंभ मेले में तैनात पुलिसकर्मियों समेत अन्य अधिकारियों को उनकी भाषा नहीं आती। इस एप के माध्यम से श्रद्धालुओं के बीच आपसी तालमेल बेहतर होगा एप से अखाड़ों, घाटों का पता लगा सकेंगे। इस एप में हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, मराठी, कन्नड़, बंगाली, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, उर्दू और पंजाबी भाषाएं शामिल हैं संस्कृति मंत्रालय के कलाग्राम में दिखेगी भारत की विरासत केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय महाकुंभ के दौरान देश की समृद्ध, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए प्रयागराज में एक सांस्कृतिक गांव श्कलाग्रामश् स्थापित करेगा। गौरतलब है कि प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन होगा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय को श्कलाग्रामश् के लिए नाग वासुकी में 10.24 एकड़ क्षेत्र आवंटित किया गया है। इस लेकर मेला प्राधिकरण 10,000 लोगों की क्षमता वाला एक गंगा पंडाल स्थापित करेगा, जहां सेलिब्रिटी प्रदर्शन होंगे। झूंसी, नाग वासुकी और अरैल में 4,000 दर्शकों की क्षमता वाले तीन मंच पंडाल, कलाग्राम में 1,000 क्षमता वाला एम्फीथिएटर स्थापित किए जाएंगे। यहां संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता कलाकार, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और क्षेत्रीय संस्कृतिक केंद्रों के कलाकारों की ओर से प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा, पूरे शहर में 20 मंच बनाए जाएंगे, जिन्हें उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग और संस्कृति मंत्रालय के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।

एनसीआरईएस को प्रथम स्नान मिलने पर ढाले नगाड़े बजाकर किया स्वागत

प्रयागराज, । एनसीआर जोन में हुए सीक्रेट बैलेट चुनाव में एनसीआरईएस को प्रथम स्थान मिला है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि जोन में वे 8296 मत प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किये। वहीं एनसीआरएमयू 8261 मत प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रहा। इस जीत पर रेलवे कर्मचारी एनसीआरईएस सेंट्रल कार्यालय पहुंचकर ढोल नगारे बजाये। फूल माला, अबीर गुलाल एवं केट काटकर महामंत्री आरपी सिंह को बधाई दी। इस अवसर पर महामंत्री आरपी सिंह ने सभी रेल कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि चुनाव में किये गये वादा ओल्ड पेंशन सिस्टम दिलाने की लड़ाई को वे तब तक जारी रखेंगे जब तक सरकार ओल्ड पेंशन सिस्टम की घोषणा नहीं कर देगी। मंडल मंत्री चंदन कुमार सिंह ने सभी कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। बोले कि यह जीत हर एक रेलवे कर्मचारी और कार्यकर्ता की है। ऐतिहासिक जीत के बधाई के लिए सयुक्त महामंत्री आलोक सहगल, सहा.मंडल मंत्री एसराम राव, दिवाकर शुक्ला, शास्त्री देवी, शाखा अध्यक्ष दिनेश पांडेय, पिंकू सिंह, शाखा सचिव संतोष सिंह, अनिल कुमार, नागेंद्र श्रीवास्तव, प्रदीप मिश्रा व अन्य पदाधिकारी योगेन्द्र वर्मा, विष्णु सिंह, मनीष यादव, शीतला प्रसाद, अभय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

धमकी देकर महिला ने थाने में नाबालिग लड़के से की शादी, जबरन ले गई अपने घर, दरोगा निलंबित

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में यमुनापार के घूरपुर थाने में एक नाबालिग का महिला से विवाह कराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जबरन फंसाने की धमकी देते हुए थाना परिसर स्थित मंदिर में शादी कराई गई। यूपी के प्रयागराज में यमुनापार के घूरपुर थाने में एक नाबालिग का महिला से विवाह कराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जबरन फंसाने की धमकी देते हुए थाना परिसर स्थित मंदिर में शादी कराई गई। किशोर की मां की तहरीर पर महिला सहित पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज हुआ है। वहीं हाईकोर्ट के आदेश पर गलत विवेचना करने वाले दरोगा को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय किशोर कक्षा 11 वीं का छात्र है। किशोर के परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी 38 वर्षीय राजरानी पटेल ने 21 अक्तूबर को उनके बेटे को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए थाना परिसर में पुलिस की मिलीभगत से जबरन शादी कर ली। इसमें आरोपी महिला के पति मान सिंह के अलावा ग्राम प्रधान राजेश, दुर्विजय व रविशंकर ने सहयोग किया था। शादी के बाद किशोर को महिला अपने साथ लेकर चली गई। आरोप है कि महिला पूर्व में चार शादी कर चुकी है। किशोर की मां ने 22 अक्तूबर को पुलिस आयुक्त से शिकायत की। किशोर के परिजनों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट के बंदी प्रत्यक्षीकरण न्यायालय ने गलत विवेचना रिपोर्ट लगाने के आरोप में थाने के दरोगा समीर सचान को निलंबित करने का आदेश दिया। इस संबंध में अतिरिक्त थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश पर दरोगा को 12 दिसंबर को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। मामले में जांच जारी है। दरोगा के निलंबन के बाद कहा जा रहा है कि मामले से जुड़े अन्य पर भी कड़ा एक्शन लिया जा सकता है। वहीं महिला के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

मेला क्षेत्र में पांच पोस्ट ऑफिस होंगे स्थापित

प्रयागराज, महाकुम्भ 2025 के दौरान मेला क्षेत्र में पांच अस्थायी पोस्ट ऑफिस खोले जाएंगे। ये पोस्ट ऑफिस अरैल, झूंसी, नागवासुकि और दो स्थानों पर परेड क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। प्रयागराज के प्रधान डाकघर के प्रवर अधीक्षक अभी जैन ने बताया कि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को डाक सेवाओं की विशेष सुविधाएं मिलेंगी। इन कार्यालयों में डाक टिकटों की बिक्री, मनीऑर्डर, अंतरराष्ट्रीय पार्सल बुक करना, आधार से पेमेंट और अन्य योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। श्रद्धालु यहां से अपने घर–परिवार को पत्र भेज सकेंगे, जिससे मेलों की पुरानी चिट्ठी भेजने की परंपरा को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही डाक विभाग इन कार्यालयों के माध्यम से सुकन्या समृद्धि योजना और बचत खाता योजनाओं के बारे में भी जागरुकता फैलाएगा। श्रद्धालु इन योजनाओं का लाभ मेला क्षेत्र में ही उठा सकेंगे।

यूपी बोर्ड ने जारी किए दसवीं व बारहवीं के मश्डल प्रश्नपत्र, बेहतर होगी तैयारी

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए मॉडल प्रश्नपत्र शुक्रवार को जारी कर दिए। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। ऐसे में मॉडल प्रश्नपत्रों के आधार पर अभ्यास के लिए परीक्षार्थियों को काफी वक्त मिल जाएगा। यूपी बोर्ड ने प्रमुख विषयों के मॉडल प्रश्नपत्र अपनी वेबसाइट www-upmsp-edu-पद पर शुक्रवार को जारी कर दिए हैं। इनके लिंक एक्स अकाउंट (X) /upboardpryj और फेसबुक अकाउंट उंकपेंइवंतकचतलरपर भी अपलोड कर दिए गए हैं। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह के अनुसार परीक्षार्थी वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से 10वीं व 12वीं के मॉडल पेपर प्राप्त कर सकते हैं। यूपी बोर्ड 2025 की परीक्षा के लिए कुल 54,32,519 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इनमें हाईस्कूल के 27,41,674 व इंटरमीडिएट के 26,90,845 परीक्षार्थी शामिल हैं। मॉडल प्रश्नपत्र अपलोड कर दिए जाने से परीक्षार्थियों को काफी लाभ होगा। मॉडल प्रश्नपत्रों के आधार पर उन्हें अभ्यास के लिए काफी वक्त मिल जाएगा और यही अभ्यास उनके बेहतर प्रदर्शन में काम आएगा।

स्वास्थ्य भवन और थाने की बिल्डिंग का किया निरीक्षण

मंझनपुर। एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने शनिवार को कड़ा धाम थाना की नव निर्मित बिल्डिंग का निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह को जरूरी दिशा–निर्देश दिया। कहा कि निर्माण में ठेकेदार यदि मानक की अनदेखी करता है तो इसकी जानकारी दें। कार्यदायी संस्था के अफसरों से बातचीत कर कार्रवाई कराई जाएगी। इसके बाद एसपी सैनी थाना पहुंचे। वहां प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ के मद्देनजर बनाए गए स्वास्थ्य भवन का निरीक्षण कर कोतवाल बृजेश करवरिया को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने का आदेश दिया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी कौंधियारा हुए सम्मानित

गंगापारजं। शनिवार को विकासखंड कौंधियारा अन्तर्गत खंड शिक्षाधिकारी कौंधियारा अरुण कुमार अवस्थी को डिजिटल रजिस्टर के अनुपयोग व जनपद प्रयागराज में उत्कृष्ट कार्य के लिए इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ के मरकरी हाल में बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। अरुण अवस्थी को इस सम्मान से कौंधियारा के शिक्षको में खुशी की लहर है। उन्हें बधाई देने वालों में शत्रुघ्न शुक्ल, महेश शुक्ल, दुर्गेश मिश्र, उमेश पाण्डेय, संचित श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

पेशनर्स की बैठक आज, लंबित मांगों पर होगी चर्चा

प्रयागराज। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक शनिवार को विकास भवन में की जाएगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष आर एस वर्मा ने बताया कि बैठक में पेंशनर्स की लंबित मांगों को लेकर चर्चा की जाएगी। वहीं, इसमें मुख्य रूप से न्यायालय के आदेश के बाद भी पेशनर्स की धनराशि दस वर्ष आठ माह के बजाए 15 वर्ष तक कटौती न हो जबकि धनराशि को केवल 10 वर्ष ही काटने का प्रावधान किया जाए।

तापमान गिरने से बढ़ी गलन, आम लोगों के लिए मुसीबत

प्रयागराज। पिछले एक सप्ताह से तापमान में उतार–चढ़ाव के बीच पहाड़ों पर हुई बर्फबारी का असर शहर में दिखने लगा है। चार दिनों में तीन डिग्री तापमान में गिरावट दर्ज की गयी। साथ ही सर्द हवाओं से ठंड और बढ़ गयी है। मौसम विभाग के अनुसार सुबह, शाम घना कोहरा छाया रहेगा। दिन में धूप जरूर निकलेगी लेकिन हवाएं चलती रहेंगी। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस था वहीं गुरुवार को सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बढ़ती ठंड के कारण लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। सड़क के किनारे बेसहारा लोग बिना कंबल के रात गुजारने को मजबूर हैं। एजी ऑफिस व पत्थर गिरजाघर के पास कई लोग पॉलीथीन ओढ़कर रात गुजार रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार मौसम में उतार–चढ़ाव को देखते हुए सावधान रहने की जरूरत है। दिन और रात के तापमान में तीन गुना से अधिक अंतर होने के कारण बच्चों और बुजुर्गों के लिए अधिक नुकसानदायक है। मौसम में परिवर्तन के कारण अस्पतालों में सर्दी, जुकाम और बुखार से पीड़ित मरीज बढ़ रहे हैं।

रेलवे ने एक जनवरी को निरस्त किया धनबाद कोयंबटूर ट्रेन

प्रयागराज। रेलवे ने धनबाद–कोयंबटूर ट्रेन को एक जनवरी को निरस्त किया है। परिचालनिक कारणों से रेलवे ने इसके निरस्तीकरण का शेड्यूल जारी कर दिया है। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन नंबर 03325 का एक जनवरी को ट्रेन नंबर 03326 का चार जनवरी को संचालन नहीं होगा। यानी ट्रेन दोनों ओर से रद रहेंगी। यह साप्ताहिक ट्रेन है। आगे ट्रेनों का शेड्यूल से संचालन होगा।

पांच कॉरिडोर और सात पक्के घाटों से पर्यटन को लगेंगे पंख

प्रयागराज। महाकुम्भ नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज को 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं की सौगात दी। संगम तट पर मंच से प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर इन परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें पांच कॉरिडोर और सात पक्के घाट शामिल हैं। आने वाले समय में इन परियोजनाओं से प्रयागराज के विकास को और पंख लगेंगे। इन प्रमुख कॉरिडोर का शुभारंभ अक्षयवट को प्रयागराज का छत्र भी कहा गया है। इस कॉरिडोर में बड़ा प्रवेश द्वार बनाया गया है। अंदर दर्शन तक जाने के मार्ग को पहले से अच्छा किया गया है। यहां पर चित्र बनाए गए हैं और दर्शन के बाद निकास के लिए अलग मार्ग दिया गया है। पौराणिक मान्यता के अनुसार सरस्वती कूप वह पुण्य स्थान है, जहां मां सरस्वती के दुर्लभ दर्शन संभव हैं। बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर के पहले चरण का लोकार्पण शुक्रवार को हुआ। प्रवेश व निकास का द्वार बन चुका है। मंदिर तक जाने और निकास का अलग–अलग मार्ग है। मान्यता के अनुसार, यहीं पर महर्षि भरद्वाज से भगवान श्रीराम की मुलाकात हुई थी। सामने सड़क की ओर से प्रवेश द्वार बनाया गया है। सीढ़ियों से मंदिर तक जाने का मार्ग बना दिया गया है। मंदिर के आसपास के स्थल को चौड़ा किया गया है। यहां पर प्रकाश, शेड के साथ ही जगह–जगह कलाकृतियां भी बनाई गई हैं। श्रृंग्वेरपुर का नाम इस क्षेत्र में श्रृंगी ऋषि की तपोस्थली होने के कारण पड़ा है। रामायण में इस क्षेत्र का वर्णन प्रभु श्रीराम और उनके बालसखा निषादराज के मिलन स्थल के रूप में भी है। यहां से ही केवट निषादराज ने प्रभु श्रीराम को नाव से गंगा पार करा कर प्रयागराज पहुंचाया था।

रानी लक्ष्मी बाई और बेगम हजरत महल का व्यक्तित्व महिला सशक्तिकरण का साक्षात उदाहरण

लखनऊ, (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ का सभागार में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का एक दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। जहां महाविद्यालय की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा कमांडिंग आफिसर कर्नल दीपक कुमार के दिशा निर्देशों के अनुसार प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता तथा एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के संयोजन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया– 1857–एक वीर गाथा। 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन से नायब सूबेदार इलियास शेख, हवलदार शैलेंद्र कुमार तथा हवलदार आर.के. साहू उपस्थित हुए जिन्हें प्राचार्य ने पौध देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में 1857 की क्रांति के दौरान देश के शूरवीरों ने किस प्रकार से ब्रिटिश हुकूमत के छक्के छुड़ाते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। इसका प्रदर्शन कैडेट सृष्टि नायक, प्रीति कुमारी, बुशरा हमीद, अरुंधति यादव, भूमिका पुनेठा, रजनी और खुशी निषाद ने रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, बेगम हजरत महल, मंगल पांडे, कुंवर सिंह के साथ–साथ सरदार भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद का रूप धारण कर नाटिका के माध्यम से किया ए कैडेट अंडर ऑफिसर सोनल सिंह ने सूत्रधार की भूमिका निभाते हुए बताया कि 1857 भारत की स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण अध्याय था, जिसे भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भी कहा जाता है, जो ब्रिटिश

शासन के विरुद्ध भारतीय परंपराओं के प्रति अनादर, आर्थिक शोषण, धार्मिक कारण ऑन अंग्रेजों के विस्तारवादी नीति के प्रति आक्रोश से प्रेरित था यद्यपि यह विद्रोह वांछित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहा लेकिन इसने एकता और प्रतिरोध की भावना को प्रज्वलित किया जिसने भारत के स्वाधीनता संग्राम में एक जुट होकर आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और यह विद्रोह भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के अंत का कारण बना। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने कैडेट्स के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम में प्रतिभा गीता से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वह प्रेरणादाई व्यक्तित्व से परिचित भी होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को विकास की दिशा में ले जाने का कार्य युवाओं का है। रानी लक्ष्मी बाई और बेगम हजरत महल का व्यक्तित्व महिला सशक्तिकरण का साक्षात उदाहरण है। युवा छात्राओं को अपनी शक्तियों की पहचान करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना होगा। मेजर (डॉ.)मनमीत कौर सोढ़ी के अनुसार वर्तमान की पीढ़ी को अतीत के सुनहरे इतिहास से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। आजादी के अमृत काल में हम सभी का दायित्व है कि देश के उन सभी वीर सपूतों से परिचित हो सके, जिन्होंने अपने देश की आन, बान और शान की खातिर अपने प्राणों तक को न्योछावर कर दिया। आज हम सभी का दायित्व है कि हम देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर रहे और अपने–अपने स्तर पर विकसित भारत के निर्माण में भूमिका का निर्माण पूर्ण निष्ठा के साथ करें। कार्यक्रम में नवयुग कन्या इंटर कालेज की एनसीसी कैडेट्स तथा थर्ड ऑफिसर अर्चना महाविद्यालय से प्रो.ऋचा शुक्ला, प्रो.संगीता कोतवाल, डॉ.आभा दुबे, डॉ नेहा अग्रवाल, डॉ. अनुरिमा बनर्जी, डॉ सीमा सरकार, डॉ.नेहा यादव, अंडर ऑफिसर शिवानी पाल, गौरवी यादव, स्वीटी सिंह, पलक गुप्ता, अंजली बाजपेई, ललिता यादव समेत बड़ी संख्या में प्रवक्ता एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे। राष्ट्रगान और भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता में मानवी रहीं अव्वल

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित श्री बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज में जूनियर कक्षाओं की विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता में कक्षा 8 की छात्रा मानवी को पहला स्थान प्राप्त हुआ। छात्र के द्वारा बनाया गया पादप कोशिका का चित्र आकर्षक और सराहनीय रहा। प्रधानाचार्य समेत सभी शिक्षकों ने मानवी की प्रशंसा करते

हुए कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस समारोह में विद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल रहे बच्चों को कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय–समय पर विद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों से बच्चों के भीतर की प्रतिभा का विकास होता है और एक दूसरे से आगे निकलने की स्पर्धा में अच्छा से अच्छा करने का प्रयास कर रहे हैं।इस तरह की प्रतियोगिताएं अनवरत आयोजित की जाती रहेगी।उन्होंने आगामी बोर्ड परीक्षा को भी लेकर बच्चों को कई टिप्स दिए।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक,कर्मचारी और छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

'मीरा स्मृति सम्मान एवं पुरस्कार 15 दिसम्बर को'

प्रयागराज,। मीरा फाउण्डेशन एवं साहित्य भंडार, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रतिवर्ष दिया जाने वाला देश का प्रतिष्ठित 'मीरा स्मृति सम्मान एवं पुरस्कार समारोह' राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, लाजपत राय रोड, मम्मफोर्ड गंज में प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल की अध्यक्षता तथा न्यायमूर्ति श्री अरुण टण्डन के मुख्यातिथि में 15 दिसम्बर 2024 को सायं 4 बजे।

वन नेशन–वन इलेक्शन का ड्राफ्ट देखे बिना विरोध पर उतरी सपा–कांग्रेस

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अब एक देश एक चुनाव पर राजनीति शुरू हो गई है। बसपा जहां इसका समर्थन कर रही है वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को एक देश–एक चुनाव की तरफ बढ़ती मोदी सरकार रास नहीं आ रही है। अखिलेश ने तो वन नेशन–वन इलेक्शन के खिलाफ जनमत तैयार करने की बात भी कहना शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी द्वारा गांव–गांव अभियान चलाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से कहा कि एक देश–एक चुनाव सही मायनों में एक अव्यावहारिक है, क्योंकि कभी–कभी सरकारें अपनी समय अवधि के बीच में भी अस्थिर हो जाती हैं। उस स्थिति में क्या वहां की जनता बिना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के रहेगी? इसके लिए संवैधानिक रूप से चुनी गई सरकारों को बीच में ही भंग करना होगा, जो जनमत का अपमान होगा। मगर सवाल यह है कि क्या अखिलेश ने वन नेशन–वन इलेक्शन के लिये तैयार किया गया ड्राफ्ट पढ़ लिया है या फिर बिना पड़े ही ऐसी बातें अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हैं। ऐसा इसलिये भी लगता है क्योंकि अखिलेश यादव जो खामियां और समस्याएं गिना रहे हैं उस पर मोदी सरकार ने मंथन नहीं किया होगा,ऐस असंभव है। सपा प्रमुख तो यहां तक सोचने लगे हैं कि एक देश, एक चुनाव लोकतंत्र के खिलाफ एकतंत्री सोच का बड़ा षड्यंत्र है, जो चाहता है कि एक साथ ही पूरे देश पर कब्जा कर लिया जाए। इससे चुनाव एक दिखावटी प्रक्रिया बनकर रह जाएगी। सपा सूत्रों के मुताबिक इस मामले में अखिलेश यादव ने पार्टी की लाइन स्पष्ट कर दी है। इस मुद्दे को लेकर पार्टी लोगों के बीच जाएगी ताकि भाजपा सरकार पर दबाव बना सके।

चेतना महोत्सव का आयोजन 15 दिसम्बर को

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज की मीरजापुर इकाई के तत्वावधान में 03 नवम्बर को आयोजित सामान्य ज्ञान एवं निबन्ध प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को 15 दिसम्बर (रविवार) को संस्था द्वारा आयोजित श्चेतना महोत्सव–2024श में सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम नगर के भरूहना स्थित विन्ध्यवासिनी महाविद्यालय के सभागार में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव होंगी।विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा एवं समाजसेवी राजपति ओझा कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।अध्यक्षता विन्ध्यवासिनी महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ.नीरज त्रिपाठी करेंगे। इन प्रतियोगिताओं में नगर सहित सुदूर ग्रामीण अंचल के 15 से अधिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।चार वर्गों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं के कनिष्ठ वर्ग में कक्षा चार से छह,मध्यम वर्ग में कक्षा सात व आठ,ज्येष्ठ वर्ग में कक्षा नौ व दस एवं वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारह व बारह के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में खूशबू कान्वेंट स्कूल के दीपक कुशवाहा,मध्यम वर्ग में गुरुनानक इण्टर कॉलेज संकल्प दूबे,ज्येष्ठ वर्ग में इसी विद्यालय की कु.वर्षा प्रजापति एवं वरिष्ठ वर्ग में इसी विद्यालय की कु. प्रतिभा यादव ने टॉप किया। निबन्ध प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में ओपस इण्टरनेशनल स्कूल की कु.शुक्तिका सिंह,वर्धमान पब्लिक स्कूल की कु. जिया प्रजापति,ज्येष्ठ वर्ग में दिव्यांश इंस्टिट्यूट के अजित पाल एवं वरिष्ठ वर्ग में गुरुनानक इण्टर कॉलेज की कु.सौम्या गोयल टॉपर रहीं।

आठवें वेतन आयोग करने की मांग

परिषद की प्रान्तीय बैठक में गूंजे कर्मचारियों के गम्भीर मुद्दे

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की प्रान्तीय बैठक डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग के पेक्षा गृह में सम्पन हुई। बैठक की अध्यक्ष परिषद के अध्यक्ष इं. हरिकिशोर तिवारी और संचालन कार्यवाहक महामंत्री डा. नरेश द्वारा की गई। इस बैठक में सभी शीर्ष पदाधिकारियों ने नियमानुसार दस वर्षो में लागू होने वाले वेतन आयोग गठन और शासन स्तर पर तय शुदा मुद्दों पर आदेश जारी न होने तथा कर्मचारी शिक्षकों की विभाग स्तर पर लम्बित मांगों पर विचार करते हुए जनवरी 25 में एक प्रान्त व्यापी आन्दोलन का आहवान किया। परिषद के अध्यक्ष इं. हरिकिशोर तिवारी ने बताया कि आज की बैठक में कहा गया कि वेतन आयोग प्रत्येक दस वर्ष में आता है, अतः अब आठवें वेतन आयोग का तत्काल गठन किया जाए। सरकारी काम में मोटर साइकिल का उपयोग किये जाने के बावजूद वाहन भत्ता न मिलने, वर्ष 2013 में 11 दिवसीय हड़ताल के दौरान मा. उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश श्री डी.वाई. चन्द्रचूड जी के निर्देश के बावजूद 2016 को स्पष्ट नियमावली बनने के बाद भी उसे आज तक लागू नही किया गया। विभिन्न घटक संधों की जायज मांगो पर सहमति के बावजूद उन पर अधिकारियों द्वारा उच्च स्तरीय आदेशों के बाद भी निस्तारण नही किया जा रहा है।

उन्नाव के गांव में दर्जन भर लोगों की मौत से दहशत

– एक तरह से हुई मौतों से हड़कंप, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में डेरा डाला
– दहशत में कांप रहे गांव भर के लोग, वजह जान उड़ जाएंगे होश

लखनऊ, (संवाददाता)। उन्नाव के औरास ब्लॉक के एक गांव में एक महीने में 12 लोगों की मौत ने हिला कर रख दिया। सीने में हल्का दर्द और उल्टी उसके बाद लोगों की मौत हो रही। एक माह में एक ही तरीके से सबकी मौत के बाद लोगों में खौफ है। सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने गांव में डेरा डाला। शिविर लगाकर जांच की गई। डॉक्टरों की मानें तो मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट है जो बढ़े हुए बीपी के कारण है। इस पर गहन जांच जारी है। उन्नाव के औरास ब्लॉक के सरौंद गांव में एक माह में एक ही गांव में 12 मौत से हड़कंप मच गया। लोग डर के कारण अपने रोजमर्रा के कामों से कतराने लगे हैं। इससे पहले

हुई मौतों में अच्छे भले लोग काम से वापस लौटे और हल्का सा सीने में दर्द के साथ उल्टी हुई और मौत हो गई। लोगों को अस्पताल तक ले जाने का मौका नहीं मिला। एक माह तक चले लगातार मौतों के सिलसिले ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया।आखिर एक ही तरीके से मौतों का क्या कारण है? इसको लेकर सबसे पहले सरौंद गांव की प्रधान के पति ने इसकी शिकायत सीएमओ से लिखित में की और सीएमओ सत्य प्रकाश के आदेश पर एक टीम गांव पहुंची जिसके बाद शिविर लगाकर अब जांच की जा रही है। सामान्य डॉक्टरों की टीम के हाथ कुछ विशेष कारण नहीं लगे तो हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शोएब को टीम में लगाकर जांच की जा रही है।जांच में पता चला की कई लोगों बल्ड प्रेशर लेवल बढ़ा मिला।डॉक्टर शोएब के मुताबिक ये लक्षण साइलेंट हार्ट अटैक के हैं,जिसका सबसे बड़ा कारण ब्लड में थम्बोसिस है यानि अचानक रक्त की नलियों में थक्का जम जाना। गहन जांच जारी है और जो कारण निकलकर सामने आएंगे उनको बताया जाएगा। सरौंद में डॉक्टरों की टीम के निरीक्षण के बाद जबसे ग्रामीणों को पता चला है कि मौतों का कारण हार्ट अटैक है और बढ़ा हुआ बीपी इसमें अहम रोल अदा करता है। सभी परिवार जांच कराने में जुट गए हैं। डॉक्टरों की टीम ने हल्के से लक्षण पाए जाने पर लोगों को तत्काल भर्ती कर कार्डियोग्राम मशीनों को लगाकर जांच जारी कर दी है।

मदरसा बोर्ड ने परीक्षा शेड्यूल किया जारी,15 जनवरी को जारी होगा प्रवेश पत्र, ऑनलाइन होंगे आवेदन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड ने परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। शिक्षा परिषद ने 2025 सत्र के लिए मुंशीध्मौलवी (सेकेंडरी, फारसी,अरबी) और आलिम (सीनियर सेकेंडरी फारसी,अरबी) परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया। परिषद ने परीक्षा आवेदन–पत्रों को ऑनलाइन भरने और शुल्क भुगतान से संबंधित विस्तार से जानकारी प्रदान की है। जारी किए गए शेड्यूल के अनुसार, मदरसा छात्रों को 13 दिसंबर 2024 से आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन पत्रों को 31 दिसंबर 2024 तक ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर भरा जा सकेगा। इसके बाद 2 जनवरी 2025 तक आवेदन पत्रों को पोर्टल पर लॉक करना होगा। मदरसा छात्रों को 28 दिसंबर तक परीक्षा शुल्क जमा करना होगा। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2024 है। आवेदन पत्र लॉक करने की अंतिम तारीख 2 जनवरी, 2025 है। परीक्षा केंद्रों का निर्धारण और डाटा फीडिंग 4 जनवरी 2025 से 11 जनवरी 2025 तक पूरा किया जाएगा। 15 जनवरी को प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। मदरसा परिषद ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कोई मदरसा आवेदन पत्र नहीं भरता है, तो उसके खिलाफ उ.प्र. अशासकीय अरबी और फारसी मदरसा मान्यता प्रशासन और सेवा विनियमावली 2016 के तहत कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड की तरफ से निर्देश दिया गया है कि समय–सारणी के अनुसार सभी संबंधित अधिकारियों और मदरसा प्रबंधकों को परीक्षा समय पर पूर्ण कराना होगा।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी में जिलाध्यक्षों को तीसरा मौका नहीं,नए चेहरों को दायित्व देने पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। संगठनात्मक चुनाव में भारतीय जनता पार्टी दो बार जिला या महानगर अध्यक्ष रह चुके लोगों को तीसरा मौका देने के मूड में नहीं है। मंडल अध्यक्षों के मामले में पार्टी यह व्यवस्था कर चुकी है। यही प्रयोग जिलाध्यक्षों के चयन में अपनाया जाएगा। पार्टी ने जिलाध्यक्ष पद पर युवाओं को तरजीह देने का भी मन बनाया है। तय किया गया है कि जिलाध्यक्ष की आयु सीमा 45 से 60 वर्ष के बीच हो।तीसरी बार जिला या महानगर अध्यक्ष बनने की आस पालने वाले भाजपा नेताओं को झटका लग सकता है। पार्टी उन्हें तीसरी पारी खेलने का अवसर नहीं देगी। उनके स्थान पर नये चेहरों को अवसर दिया जाएगा। फिलहाल मंडल अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया चल रही है। यूं तो इसके लिए 15 दिसंबर तक की समय सीमा तय की गई है। पार्टी सूत्रों की माने तो 20 दिसंबर तक मंडल अध्यक्षों का फैसला हो जाएगा। जिलाध्यक्षों की चयन प्रक्रिया भी 15 दिसंबर के बाद शुरू हो जाएगा। बूथ समिति और मंडल अध्यक्षों की तर्ज पर जिलाध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया से पहले प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में 98 संगठनात्मक जिलों के लिए अध्यक्ष पद के चुनाव की पूरी प्रक्रिया तय कर ली जाएगी। जिलों में नामांकन होंगे। वहां से पैनल प्रदेश को भेजे जाएंगे। जिलाध्यक्षों की घोषणा तो प्रदेश स्तर पर होगी। अंतिम मुहर दिल्ली से लगेगी। उधर, जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों की लखनऊ दौड़ का सिलसिला तेज हो गया है। वे प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री संगठन के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। उनको समझाया जा रहा है कि नीचे से पैनल में नाम शामिल होना चाहिए। अध्यक्ष पद के दावेदारों से ज्यादा सक्रियता उनके सरपरस्त जनप्रतिनिधियों की दिख रही है। सांसद–विधायक व प्रभावशाली नेता जिलों में संगठन में दखल चाहते हैं।

आजम खां के पत्र पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का बयान, बोले- अंदरूनी कलह से जूझ रही सपा

लखनऊ, (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश के सरकार में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी को निशाने पर लिया। उन्होंने आजम खां द्वारा लिखे पत्र को लेकर बयान दिया। कहा कि सपा अंदरूनी कलह से जूझ रही है। उसके पास अब कोई एजेंडा

नहीं बचा है। कहा कि सपा ने हमेशा अराजकतत्वों, गुंडों और षड्यंत्रकारियों का साथ दिया है। ऐसे ही लोगों को बढ़ावा दिया है। दरअसल, आजम के हवाले से एक पत्र लिखा गया है। इसमें इंडिया गठबंधन पर मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। कहा कि मुसलमानों पर इंडिया गठबंधन को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी। अन्यथा, मुस्लिमों को भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

इंडिया गठबंधन की खामोशी तमाशाई बनी रही

आजम ने यह भी कहा कि रामपुर में हुए जुल्म और बर्बादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाया जाना चाहिए, जितना संभल का मुद्दा उठाया गया। रामपुर के जुल्म और बर्बादी पर इंडिया गठबंधन की खामोशी तमाशाई बनी रही। मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने का काम करता रहा।

कुत्ता टहलाने वाले 7 लोगों पर जुर्माना, नगर निगम ने वसूले 35 हजार रुपए

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बिना लाइसेंस के कुत्ता टहलाने पर नगर निगम ने कार्रवाई की है। इस दौरान 7 लोगों से 35 हजार रुपए की वसूली की गई। दो कुत्तों को जब्त भी किया गया है। शनिवार सुबह करीब 6.30 बजे पेट डॉग लाइसेंस चेकिंग अभियान प्रवर्तन दल और डॉग कैचिंग स्क्वाड के साथ पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने जोन 4 में लोहिया पार्क के पास विनीत खंड, विराट खंड, विशाल खंड, विजयंत खंड में चेकिंग अभियान चलायाइसमें 7 लोग बिना लाइसेंस कुत्ता टहलाते हुए पाए गए। इनसे कुल 35,000 रुपए जुर्माना वसूला गया। मौके पर डॉग लाइसेंस भी बनवाए गए। कुल करीब 41, 200 रुपए नगर निगम कोष में जमा किया गया। अभियान में 1 लेब्राडोर और 1 पग प्रजाति के कुत्ते को जब्त किया गया। इनको जुर्माना देने के बाद छोड़ा गया। लाइसेंस चेकिंग अभियान के चलते कई लोग मौके से भाग गए। इस दौरान कई लोगों ने अपने कुत्ते को घर में बंद कर लिया और टीम से बहस भी की। लाइसेंस नहीं होने पर 5000 रुपए जुर्माने का प्रावधान है। अभी तक इस साल में 3,720 कुत्ते के लाइसेंस लोगों ने बनवाए हैं, जबकि पिछले साल 5600 और 2022– 23 में 8200 डॉग लाइसेंस बने थे। लाइसेंस में कमी को देखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, लखनऊ नगर निगम में पालतू कुत्तों की संख्या 10,000 से अधिक है।

बाघ की चहलकदमी से दहशतः बकरी बांधकर करते रहे इंतजार... ले गया वनरोज का मांस, ताकते रह गए वनकर्मी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में काकोरी के रहमानखेड़ा में वन विभाग की टीम बृहस्पतिवार को रातभर बकरी को पिंजरे में बांधकर इंतजार करती रही, पर बाघ नहीं आया। शुक्रवार को जब आया तो वनरोज (जिसका बृहस्पतिवार को उसने शिकार किया था) का मांस खींचकर भाग गया। उधर, वनकर्मी ताकते ही रह गए। बाघ को पकड़ने की जद्दोजहद जारी है। जंगल में टीमों के साथ अफसर भी जुटे हैं। दस दिन पहले इलाके में बाघ देखा गया था। बृहस्पतिवार को उसने वनरोज का शिकार कर दिया। जिस जगह शिकार किया था, उससे करीब सौ मीटर की दूरी पर बृहस्पतिवार शाम को बकरी को बांधकर पिंजरा लगाया गया। अंदेशा था कि रात में बाघ आएगा और बकरी के फेर में पिंजरे में फंस जाएगा, पर ऐसा नहीं हुआ। एसडीओ के साथ 15 सदस्यीय पेट्रोलिंग टीम 24 घंटे निगरानी कर रही हैं। सात फोटो ट्रैप कैमरे भी लगाए गए हैं। हालांकि, अफसरों का कहना है कि इन कैमरों में अब तक बाघ कैद नहीं हो सका है। मुख्य वन संरक्षक रेनू सिंह ने बताया कि ड्रोन कैमरे से निगरानी की जा रही है।

सम्पादकीय.....

सुविधा की निकासी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने अपने खाताधारकों को अगले साल से सीधे एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा देने का फैसला किया है। अब तक विभागीय जटिल प्रक्रिया व लालफीताशाही के चलते कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर अपना ही पैसा निकालने के लिये दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कुल मिलाकर धन निकासी में विभागीय हस्तक्षेप कम करने का प्रयास किया गया है। निश्चित रूप से श्रम मंत्रालय की यह पहल सामाजिक सुरक्षा को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलावकारी कदम है। यह कदम दक्षता सुधार व कर्मचारियों की अपने पैसे तक पहुंच बढ़ाने के लिये सार्वजनिक सेवा के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण का अच्छा उदाहरण है। दरअसल, फिलहाल ईपीएफओ की निकासी प्रक्रिया में देरी के कारण खाताधारकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। काफी समय के बाद जरूरतमंदों के खाते तक जरूरी राशि पहुंच पाती है। निश्चय ही पीएफ निकासी कार्ड का उद्देश्य उस लालफीताशाही को दूर करना है, जिसके चलते कर्मचारियों को पैसा समय पर मिल पाएगा। वैसे कुल राशि का पचास फीसदी निकासी सीमा तय करना, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालीन बचत सुरक्षा को बढ़ावा देना वाला कदम ही है। इसके अलावा भी ईपीएफओ अपने व्यापक एजेंडे के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसमें योगदान की सीमा बढ़ाना, भविष्य निधि बचत को पेंशन के रूप में परिवर्तित करना भी शामिल है। निश्चित रूप से यह पहल सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। जिसका मकसद अपने कार्यबल के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ाना तथा जीवनयापन को आसान बनाना भी है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2017 के बाद ईपीएफओ के सत्तर मिलियन सदस्य बढ़े हैं। उल्लेखनीय है कि इस नई सुविधा के लिये संगठन ने अपने खाताधारकों को एक विशेष पीएफ कार्ड देने का निर्णय लिया है। जो बैंक के एटीएम कार्ड की तरह काम करेगा।बहरहाल, खाताधारक अगले साल जनवरी से अपने कार्ड के जरिये अपने खातों से सीधा पैसा निकाल सकेंगे। निस्संदेह, अब खाताधारकों के लिये पीएफ क्लेम करना और आसान हो जाएगा। वहीं एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा के बाद इसमें मानवीय हस्तक्षेप हो जाएगा। लेकिन एक बार में खाताधारक पीएफ बैलेंस का अधिकतम पचास फीसदी धन ही निकाल पाएंगे। विभाग का कहना है कि आईटी सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है ताकि क्लेम प्रक्रिया को आसान व तेज बनाया जा सके। अब खाताधारकों को ईपीएफओ ऑफिस जाने अथवा लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता चौबीस घंटे, यहां तक कि छुट्टियों में भी पैसा निकाल सकेंगे। जिससे आपातकालीन जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। हालांकि, फिलहाल भी विशेष परिस्थितियों मसलन घर खरीदने, बच्चों की पढ़ाई, शादी व बीमारी पर एक निश्चित रकम निकालने का प्रावधान है। उसमें भी नौकरी की कार्यावधि तथा धन की निर्धारित रकम तक की सुविधा ही शामिल है। ऐसे ही सेवानिवृत्ति से कुछ समय पहले तक एक बड़ी रकम निकालने की सुविधा भी शामिल है। दरअसल, केंद्र सरकार अपने सामाजिक दायित्व को विस्तार देने के क्रम में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है। जिसमें सरकार गिग व प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा देने के मकसद से इन कामगारों को चिकित्सा संरक्षण, डिसएबिलिटी सपोर्ट और पीएफ सुविधाएं देना शामिल है। फिलहाल इन्हें परंपरागत कर्मचारी व्यवस्था के लाभ नहीं मिल रहे हैं। इस तरह ईपीएफओ अपने सक्रिय सदस्यों की सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में बढ़ी है। मकसद यही है कि उन्हें अधिक सुविधाएं दे सके। निश्चित रूप से हमारे श्रम बाजार को औपचारिक बनाने, भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने तथा सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर इस कार्यबल को मेडिकल कवर व वित्तीय सहायता देना न्यायसंगत ही होगा। सरकार की पहल प्रौद्योगिकी संचालित सामाजिक कल्याण ढांचे में बदलाव की ओर संकेत देती है। इससे व्यवस्था परिचालन की विसंगतियों को दूर करते हुए नागरिक केंद्रित सेवाओं में सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का भी पता चलता है। निश्चित रूप से यह कदम कर्मियों के कल्याण के मद्देनजर समानता व सुविधा के साथ सार्वजनिक संस्थानों के प्रति भरोसा बढ़ाने वाला भी है।

अब कपूर खानदान में शामिल मोदी

रामेश सिंह

अब वे जिस नये कुटुम्ब का हिस्सा बन गये हैं वह है भारत का प्रथम सिनेमाई परिवार यानी श्कपूर खानदानश। अविभाजित पाकिस्तान के पेशावर से चलकर मुम्बई आये महान अभिनेता पृथ्वीराज कपूर ने हिन्दी सिनेमा को न केवल अपनी अदाकारी से समृद्ध किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस भी जगह जाते हैं उससे उनका नाता जुड़ जाता है। चाहे वह कोई राज्य हो या कोई शहर–कस्बा। जिस व्यक्ति से मिलते हैं उनके परिवार का हिस्सा बन जाते हैं । अब वे जिस नये कुटुम्ब का हिस्सा बन गये हैं वह है भारत का प्रथम सिनेमाई परिवार यानी श्कपूर खानदानश। अविभाजित पाकिस्तान के पेशावर से चलकर मुम्बई आये महान अभिनेता पृथ्वीराज कपूर ने हिन्दी सिनेमा को न केवल अपनी अदाकारी से समृद्ध किया, बल्कि होनहार कलाकारों की एक पीढ़ी अपने ही परिवार में तैयार कर भारतीय सिनेमा को सौंपी, जिसमें उनके तीनों पुत्र थे। शम्मी कपूर और शशि कपूर के अतिरिक्त शो मैन कहलाने वाले राजकपूर इसी परिवार की देन हैं। करोड़ों भारतीयों का 8 दशकों से मनोरंजन कपूर खानदान कर रहा है। अपनी अनेक फिल्मों में श्राजूश का नाम लेकर रूपहले पर्दे पर अवतरित होने वाले राज कपूर ने अपनी बेहतरीन पटकथाओं वाली फिल्में अभिनीत व निर्देशित कीं जिनमें भारतीय समाज के सुख–दुख के अलावा उसके सपनों के बनने और बिगड़ने को फिल्माया था। उन्होंने फिल्मों को खालिस मनोरंजन के माध्यम से बाहर निकालकर सामाजिक परिवर्तन का जरिया बनाया था। उन्हीं राज साहब की जन्म शताब्दी पर कपूर खानदान मुम्बई में एक कार्यक्रम कर रहा हैय और पूरा परिवार पीएम को बुधवार को आमंत्रित करने दिल्ली गया था। जब राज कपूर के पोते रणबीर कपूर (ऋ षि कपूर के बेटे) ने मोदी से कहा कि श्आने के पहले उनके परिवार के बीच इस बात को लेकर विमर्श होता रहा कि उन्हें क्या कहकर सम्बोधित करना होगा–मिस्टर प्राइम मिनिस्टर या प्रधानमंत्री जी... या कुछ और?श्इस पर अपनत्व दिखाते हुए मोदी ने पूरी विनम्रता के साथ कहा कि मैं इसी परिवार का हिस्सा हूं और आप मुझे कैसे भी सम्बोधित कर सकते हैं। देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा प्राप्त स्नेह से गदगद राज कपूर की पुत्री रीमा ने पीएम को धन्यवाद तो दिया ही, स्वयं इस परिवार से आमंत्रण पाकर व उससे जुड़कर मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर न केवल राजकपूर के जयंती समारोह की जानकारी साझा की बल्कि इस मुलाकात के हाईलाइट्स यानी झलकियां दिखाने वाली कई तस्वीरें भी डाली हैं। देश के लब्ध प्रतिष्ठित किसी खानदान द्वारा राष्ट्राध्यक्ष को बुलाना अजूबा नहीं, न ही किसी के द्वारा इस प्रकार की मुलाकातों से देश–दुनिया को अवगत कराना बेजा बात है। यह दीगर बात है कि सोशल मीडिया पर कई विघ्नसंतोषी इस मुलाकात एवं मोदी की भावाभिव्यक्ति की यह कहकर खिल्ली उड़ा रहे हैं कि उनके पास मणिपुर जाने का समय नहीं है लेकिन कपूर खानदान से मिलने का भरपूर वक्त हैश, या फिर श्क्या मणिपुर के पीड़ित उनके परिवार का हिस्सा नहीं हैं? हद तो तब कर दी गयी जब कुछ लोगों ने कहा कि अनेक कलाकारों के साथ सबसे बड़ा अभिनेता।श खैर! वैसे मोदी में यह अच्छी बात है कि वे ऐसी आलोचनाओं की परवाह न करते हुए समझदारी के साथ अपना परिवार चुनते रहते हैं या शामिल होते हैं। कभी कई बच्चों वाला अब्बास भी उनके परिवार का हिस्सा बन जाता है तो कभी महिला पहलवान उनके परिवार की सदस्य हो जाती हैं। यह अलग बात है कि वही अब्बास चुनाव के वक्त खलनायक बन जाता है जिसके समुदाय के लोगों की ओर संकेत कर मोदी लोगों को चेतावनी देते हैं कि श्यदि कांग्रेस आई तो मंगलसूत्र और भैंसें उन्हें दे दी जायेंगी। ऐसे ही, धरना–प्रदर्शन करते ही महिला पहलवान उनके परिवार से बाहर कर दी जाती हैं।श बहरहाल, जैसा कि पिछले दशक भर से देखा जा रहा है कि हर घटना, हर स्थल और हर व्यक्ति का एक सिरा सीधे–सीधे मोदी से जुड़ता है (या कहें कि जोड़ लिया जाता है), तो दूसरा सिरा किसी न किसी तरह से राजनीति से जुड़ता है। उनका सम्बन्ध पश्चिम बंगाल से वैसा ही निकल आता है जैसा महाराष्ट्र से। उनका बौद्ध धर्म से नाता निकल आता है तो संत रविदास से भी। मोदी तो यह तक बतला देते हैं कि चीनी यात्री ह्वैन सॉग शी जिनपिंग के गांव से होकर गुजरा था और उनके वडनगर तक आया था। उन्होंने राजस्थान के वीर लड़ाके महाराणा प्रताप के ऐतिहासिक महत्व के अश्व चेतक की मां गुजरात की बतलाई। नाते–रिश्तेदारी जोड़ने में निष्णात मोदी यदि कपूर खानदान के परिवार में स्वयं को समाहित करते हैं तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिये। मोदी ने इस अवसर पर बताया कि दिल्ली चुनाव हारने की निराशा से उबरने के लिये भारतीय जनता पार्टी के नेता व पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी ने राज कपूर की फिल्म नई सुबह होगी देखी थी जिसके बाद भाजपा की नई सुबह हुई और वह मौजूदा मुकाम पर खड़ी है।

बकौल मोदी श्राज कपूर की फिल्मों में जिस सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल हुआ उसी पर भारत की कूटनीति चलती है। कई विरोधाभासों की तरह यह नई जुड़ी नातेदारी भी बेहद विसंगतिपूर्ण है क्योंकि राज कपूर ने अपनी फिल्मों में मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाया है तथा समाज में व्याप्त अन्याय, गैरबराबरी तथा आम आदमी की दुश्वारियों का प्रस्तुतीकरण किया है। इसके विपरीत मोदी के विचार और उनके शासन काल में भारत एक बेहद असंवेदनशील समाज में परिवर्तित हो गया है। कपूर खानदान मे मोदी इसलिये शामिल हो चले हैं क्योंकि वह उस ग्लैमरस दुनिया का हिस्सा है जिसके मोदी हमेशा से मुरीद रहे हैं, फिर वह चाहे कलाकारों की दुनिया हो या अमीर व सफल खिलाड़ी अथवा कारोबारी व उद्योगपति।

ब्रिक्स मुद्रा का सपना और डॉलर विरोधी अभियान ट्रम्प की नयी चिंता

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नौ सदस्यीय ब्रिक्स प्लस देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने की धमकी दी है,यदि वे अमेरिकी डॉलर को एक आम ब्रिक्स मुद्रा से बदलने की कोशिश करेंगे। इसे ट्रम्प की ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा की ब्रिक्स देशों के लिए अलग मुद्रा के प्रस्ताव पर घबड़ाहट ही कहा जायेगा। लूला ने अमेरिकी डॉलर विनिमय दर में उतार–चढ़ाव के प्रति बढ़ती भेद्यता को कम करने के लिए यह प्रस्ताव दिया है। राष्ट्रपति लूला ने पिछले साल अगस्त में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आम ब्रिक्स मुद्रा का प्रस्ताव रखा था। हाल ही में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कजान (रूस) में आयोजित नवीनतम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एक नयी अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली का आह्वान करते हुए कहा कि श्डॉलर का उपयोग एक हथियार के रूप में किया जा रहा है।य कजान शिखर सम्मेलन ने वैश्विक दक्षिण के साथ संबंधों को बढ़ावा देने की ब्रिक्स की महत्वाकांक्षा और विशेष रूप से वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली में एक वैकल्पिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को आकार देने के इसके उद्देश्य को रेखांकित किया। जाहिर है, अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक मुद्रा को पेश करने का विचार ट्रम्प को पसंद नहीं आया, जिन्होंने इस विषय पर या भौगोलिक, राजनीतिक, व्यापार और आर्थिक विविधताओं को देखते हुए इस तरह की प्रतिस्पर्धी नयी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाने में शामिल जमीनी स्तर की कठिनाइयों के बारे में ज्यादा सोचे बिना ही घबड़ाहट में प्रतिक्रिया व्यक्त की। नौ ब्रिक्स राष्ट्र – ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात– चार महाद्वीपों में फैले हुए हैं। ब्रिक्स देशों में सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली चीन, खुद एक आम ब्रिक्स मुद्रा रखने में दिलचस्पी नहीं रखता है, कम से कम अभी के लिए। चीन की रेनमिनबी अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से महत्व प्राप्त कर रही है, लेकिन उसके द्वारा अमेरिकी डॉलर को प्रभावित करने की संभावना नहीं है, जो दुनिया की मुख्य आरक्षित मुद्रा है जो वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 58 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करती है। चीन अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े कर्जदार देशों में एक है, जिसका अकेले अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियों में करीब 775 बिलियन डॉलर का निवेश है। चीन कई दशकों से अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियां खरीद रहा है। कई लोगों का मानना है कि ब्रिक्स मुद्रा बनाने का विचार व्यावहारिक से ज्यादा राजनीतिक है। इस परियोजना की अवधारणा बनाना आसान है, लेकिन उचित योजनाओं के साथ इस पर विचार करना आसान नहीं है। इसके लिए बैंकिंग संघ के साथ–साथ राजकोषीय संघ की स्थापना की आवश्यकता होगी। इस प्रणाली से बाहर रहने वाले देशों से निपटने के लिए एक अनुशासनात्मक तंत्र होना चाहिए। इसके लिए एक साझा केंद्रीय बैंक की आवश्यकता होगी। व्यापार असंतुलन एक बड़ी समस्या बन सकता है। नौ ब्रिक्स देशों में से, चीन का व्यापार संतुलन उसके पक्ष में करीब एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। पिछले साल चीन का वैश्विक व्यापारिक अधिशेष करीब 823.2 बिलियन डॉलर था, जिसमें निर्यात करीब 3.38 ट्रिलियन डॉलर और आयात करीब 2.56 ट्रिलियन डॉलर था। जबकि भारत का व्यापार घाटा 240 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें से लगभग आधा चीन के साथ है। भारत, मिस्र और इथियोपिया आयात पर अधिक और निर्यात पर कम निर्भर हैं, जिससे उनका व्यापार संतुलन घाटे में है। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों का मुख्य व्यापारिक साझेदार चीन है। वे एक–दूसरे के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं। ब्रिक्स देशों की व्यक्तिगत व्यापार, आर्थिक और कूटनीतिक चिंताएं आर्थिक संभावनाओं और भू–राजनीतिक प्रभाव के बीच जटिल अंतर्संबंध को उजागर करती हैं। यह आलोचनात्मक रूप से जांचना महत्वपूर्ण हो सकता है कि ये गतिशीलता स्थापित शक्ति विन्यास और गठबंधनों को कैसे आकार देती है। अभी तक, चीन अमेरिका में निवेश को सुरक्षित और स्थिर मानता है। सैद्धांतिक रूप से, चीन प्रतिशोधात्मक उपाय के रूप में अपने अमेरिकी ऋण होल्डिंग्स को बेच सकता है, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है क्योंकि बड़ी मात्रा में ऋण का निपटान चीन के लिए जोखिम भी पैदा करेगा। पिछले कुछ वर्षों में, चीन की निर्यात–केंद्रित अर्थव्यवस्था अमेरिका की कीमत पर फली–फूली, जो चीनी माल का सबसे बड़ा आयातक है। 2023 में चीन से आयात में +109 बिलियन की गिरावट के बावजूद, चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा +279.4 बिलियन था। पिछले साल चीन के साथ अमेरिका के व्यापार का कुल मूल्य लगभग +575 बिलियन था। चीन डोनाल्ड ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के दौरान कम व्यापार और निवेश प्रोफाइल बनाये रख सकता है।

, जो दोनों देशों के बीच शत्रुतापूर्ण व्यापार और आर्थिक संबंधों को समय के साथ कम करने की उम्मीद करता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग वैकल्पिक वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली के लिए लूला–पुतिन के प्रस्ताव को जल्दबाजी में लेने की संभावना नहीं है। इसके अलावा, राजनीतिक और आर्थिक रूप से परिपक्व चीन पूरी तरह से जानता है कि अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक आरक्षित मुद्रा के रूप में ब्रिक्स मुद्रा को एक साथ रखना अल्प या मध्यम अवधि में संभव नहीं है। संयोग से, चीन की तरह, भारत, दूसरी सबसे बड़ी ब्रिक्स अर्थव्यवस्था, ने अभी तक अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक मुद्रा के लिए दबाव नहीं डाला है। हालांकि, वैश्विक व्यापार और वाणिज्य पर पर्याप्त अमेरिकी डॉलर की पकड़ को अस्थिर करने के लिए ब्रिक्स मुद्रा के जल्द ही आने की संभावना से अधिक, अगले अमेरिकी राष्ट्रपति को डी–डॉलरीकरण की प्रक्रिया के बारे में अधिक चिंतित होना चाहिए जो विशेष रूप से यूक्रेन के बाद रूस के खिलाफ अमेरिकी व्यापार और वित्तीय प्रतिबंध के बाद जमीन हासिल कर रहा है। रूस कई पश्चिमी यूरोपीय देशों, चीन, सऊदी अरब और यूएई सहित पश्चिमी एशियाई देशों और भारत के साथ ऊर्जा व्यापार में खुशी से लगा हुआ है। लंबे समय से चल रहे यूक्रेन युद्ध ने द्विपक्षीयता को एक नया धक्का दिया है क्योंकि अधिक से अधिक आयातक और निर्यातक, साथ ही उधारकर्ता, ऋणदाता और मुद्रा व्यापारी स्वतंत्र रूप से अन्य मुद्राओं के उपयोग पर निर्णय ले रहे हैं। यह डी–डॉलरीकरण प्रक्रिया को मजबूत कर रहा है, तथा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली पर कई तरह के प्रभाव पैदा कर रहा है, जिसमें विनिमय दर की अस्थिरता, व्यापार पैटर्न में संभावित परिवर्तन शामिल हैं और स्थापित वित्तीय संस्थानों के लिए चुनौतियां पेश कर रहा है। तथाकथित ब्रिक्स मुद्रा प्रस्ताव एक गैर–मुद्दा है जबकि डी–डॉलरीकरण प्रक्रिया अमेरिका को एक वास्तविक खतरे के रूप में चिंतित करेगी। कमोडिटी स्पेस में, ऊर्जा लेनदेन की कीमत गैर–अमेरिकी मुद्राओं में बढ़ रही है। यह भी ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि केंद्रीय बैंक, विशेष रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में, अमेरिकी डॉलर–केंद्रित वित्तीय प्रणाली से दूर जाने के लिए अपने सोने के भंडार बढ़ा रहे हैं। जे.पी. मॉर्गन की वैश्विक कमोडिटी रिसर्च टीम के अनुसार, केंद्रीय बैंकों ने सामूहिक रूप से 2022 में 1,136 टन सोना खरीदा, जो रिकॉर्ड पर सबसे अधिक वार्षिक मांग है, और 2023 में 1,037 टन और खरीदा। इसने अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी के एहतियाती भंडार की उनकी जरूरत को कम कर दिया, जो बदले में विकास को बढ़ावा देने वाली घरेलू परियोजनाओं में निवेश करने के लिए पूंजी को मुक्त करता है। अगले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए अच्छा होगा कि वे नाटो को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाएं, जिसका नेतृत्व वे करते हैं, ताकि यूक्रेन–रूस युद्ध को समाप्त करने में मदद मिल सके, डी–डॉलरीकरण प्रक्रिया को धीमा किया जा सके, इजराइल–हमास युद्ध को लाल सागर और लेबनान जैसे नये सीमाओं तक फैलने से रोकने में मदद मिल सके, और वैश्विक वाणिज्य और कूटनीति पर बढ़ते चीनी प्रभाव को कम करने के लिए रूस को अपने पक्ष में वापस लाया जा सके, खासकर पश्चिम एशियाई क्षेत्र में।

तैयरियों में तो आप आगे

अरविन्द मोहन

चुनावी सुगबुगाहट तो बिहार में भी कब से शुरू है जहां अगले साल अक्टूबर से पहले विधानसभा चुनाव होना है और इसकी तैयारी चल रही है । लेकिन सबसे तेज हलचल राजधानी दिल्ली में है जहां कभी भी चुनावों की घोषणा हो सकती है। इससे भी बड़ी बात ये है कि वहां जिन दो पार्टियों के बीच चुनावी मुकाबला है अर्थात भाजपा और आप, वे साल भर और 24 घंटे चुनावी मूड में रहने वाली पार्टियां हैं। इन दोनों पार्टियों ने लगातार एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और इसी का परिणाम है कि चुनाव घोषित नहीं हुए और लगभग चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। उम्मीदवारों के नाम घोषित होने लग गए है और कार्यक्रमों की झड़ी लग गई है कहना न होगा कि इस काम में भाजपा पूरे पांच साल से लगी हुई है और उसने आप की राज्य सरकार को गिराना है और उसके नाक में दम करने में अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी है। कई बार उसकी कोशिशें संसदीय मर्यादाओं के उलट भी हुई है और सब किसी को ये लगता है कि ये कदम है आप के नेताओं को परेशान करने के लिए उठाए जा रहे हैं तो किसी को भी यह समझने में दिक्कत नहीं होती है न कि किस तरह से आप ने भाजपा को पराजित किया है। भाजपा के लिए यह ज्यादा परेशानी की बात है क्योंकि नरेन्द्र मोदी का डंका पूरे देश में बजता है लेकिन बार–बार दिल्ली मैं उनको पराजय झेलनी पड़ती है। उससे पहले भी दिल्ली में लगातार पंद्रह साल कॉग्रेस की सरकार रही है। इस तरह से भाजपा बीते पच्चीस वर्षों से दिल्ली की सत्ता से बाहर रही है। और आप तो आपने उसे स्थानीय निकाय चुनावों में भी बुरी तरह पराजित कर दिया है। इस पराजय के साथ ही यह सच्चाई भी भाजपा को दिखाई देती है कि लोकसभा चुनावों में उसे किसी किस्म का दबाव या चुनौती नहीं होती है। इस बार भी भाजपा ने बहुत आसानी से दिल्ली का चुनाव जीता जबकि आप ने कॉग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। इस हिसाब से इस बार के चुनाव ज्यादा दिलचस्प और करीबी हैं। दिलचस्पी की खास वजह ये है कि इस बार आप का लगभग पूरा नेतृत्व किसी न किसी तरह के गंभीर आरोप से घिरा हुआ है। खुद अरविन्द केजरीवाल, उस पार्टी के नम्बर दो माने जाने वाले मनीष सिसोदिया और लगभग पूरी पुरानी कैबिनेट दागदार हुआ है। यह जरूर है कि प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग/दुरुपयोग करने के बावजूद केंद्र सरकार आप के नेताओं के खिलाफ कोई खास सबूत या मुकदमा खड़ा नहीं कर पाई है। सभी लोग जमानत पर छूटे हैं और अभी भी मुकदमें चल रहा है। इनका क्या होगा यह भविष्यवाणी करना तो मुश्किल है लेकिन इतना कहने में कोई हर्ज नहीं है कि आप के ज्यादातर बड़े नेताओं का दामन दागदार हो चुका है भ्रष्टाचार खत्म करने के जिस बुनियादी दावे के साथ उन्होंने राजनीति शुरू की थी वह खत्म हो गई है। सादगी का नाम लेना भी अब उनके लिए उल्टा पड़ता है। उनके नेताओं के बारे में भाजपा सरकार गिराने में सफल हुई हो न हुई हो लेकिन उसने आप के नेताओं की साख जरूर गिराई है। और इसी का परिणाम है कि आज अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर लोगों की अदालत में जाने की घोषणा की है जिससे भी भाजपाई नाटक बताते हैं। खुद भाजपा उपराज्यपाल से लेकर सारे पदों का किस तरह दुरुपयोग कर रही है यह भी किसी बड़े घटिया नाटक से कम नहीं है क्योंकि राज्यपाल को भी बार–बार अदालतों से फटकार मिल रही है। जो कदम वो उठाते हैं उसे कघनूनी रूप से गलत बताया जाता है। खुद वे अदालतों से छुपते फिर रहे हैं क्योंकि जो बयान वे दे रहे हैं उसका झूठ अदालतें जानती है। आप चुनाव के मामले में है बीजेपी से कमजोर नहीं है क्योंकि शासन का उसका रिकार्ड बहुत बढ़िया हो न हो भाजपा ही राज्यों से बेहतर है। भाजपाई शासन जहां–जहां है वहां बिजली पानी से लेकर कघनून व्यवस्था की स्थिति बदतर हुई है। इन सब मामलों में, शिक्षा में जो स्थिति है दिल्ली की है वह की स्थिति यूपी हरियाणा से बेहतर है। दिल्ली काफी कुछ लुटा के भी, लोगों में बांट के भी, स्वास्थ्य और शिक्षा के मामले में बेहतर स्थिति में है। शिक्षा का मामला हो स्वास्थ्य का, वृद्धावस्था पेंशन का मामला हो, दूसरी सहूलियतों का मामला हो, दिल्ली अभी भी देश के बाकी राज्यों से बेहतर है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार रही है वहां भी बिजली महंगी है। मुफ्त बिजली वाली बात तो है ही नहीं। वहां की सड़कों की हालत बदतर है। वहां के स्कूल किसी भी तरह से दिल्ली के स्कूलों से टक्कर नहीं ले सकते। शासन का यह रिकॉर्ड आप को भाजपा के मुकाबले मजबूत स्थिति में लाता है।

यश चोपड़ा का ऑफर ठुकरा चुकी थीं अदिति गोवित्रिकर

मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल थी, बॉलीवुड में अच्छे अनुभव नहीं रहे

मिसेज वर्ल्ड रही अदिति गोवित्रिकर ने कभी भी एक्टिंग प्रोफेशन को गंभीरता से नहीं लिया। ग्लैडरैग्स मेगामॉडल प्रतियोगिता के बाद जब यश चोपड़ा ने उन्हें मिलने के लिए बुलाया तब मिलने नहीं गईं। इस बात का पछतावा अदिति को आज भी है। इसे वह अपनी जिंदगी की सबसे भूल मानती हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने कुछ फिल्में कीं, लेकिन एक्टिंग उनके लिए पैरेलल फील्ड था। उनका पूरा फोकस मेडिकल और मॉडलिंग में ही था। हाल ही में अदिति गोवित्रिकर मुंबई के दैनिक भास्कर के ऑफिस आईं। उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट, करियर और लाइफ से जुड़ी बातें शेयर कीं। इस समय क्या कर रही हैं आप? वेब सीरीज 'मिसमैच्ड सीजन 3' नेटफ्लिक्स पर 13 दिसंबर से स्ट्रीम होगी। यह बहुत लोकप्रिय सीरीज है। इसकी स्टोरी लाइन पहले यंगस्टर्स पर थी। उनके रिलेशन और जीवन में आने वाली मुसीबतों पर प्रकाश डाला गया था। अब इसमें कुछ और चीजें देखने को मिलेगी, इसमें मैंने रोहित सराफ की मां का किरदार निभाया है। जब मेरी दूसरी शादी होती है, तब मेरा बेटा मुझे शादी के मंडप तक लेकर जाता है। इस तरह के विषय भी मेकर ने इसमें चुने हैं। अभी डिज्नी हॉट स्टार पर एक सीरीज 'लाइफ खिल गई' रिलीज हुई थी। इसके अलावा मैंने मार्वलस मिसेज इंडिया शुरू किया है। इसमें शादीशुदा, विधवा और तलाकशुदा महिलाएं भाग लेती हैं। इसका सेकेंड सीजन अक्टूबर में हुआ था। अभी इसके तीसरे सीजन की तैयारी चल रही है। मार्वलस मिसेज इंडिया शुरू करने के पीछे आपकी क्या सोच रही है? जब मैंने मिसेस वर्ल्ड में भाग लिया था। उस समय मेरी बेटी एक साल की थी। लोग मुझसे कहते थे कि तुम्हारी शादी हो गई है। अब इस बारे में क्यों सोचना? तुम्हारा करियर अच्छा चल रहा है। शादी के बारे में लोगों को पता चलेगा, तो ग्लैमर फील्ड में काम नहीं मिलेगा। उस समय लोगों की यही सोच थी कि शादी और बच्चे के बाद ग्लैमर फील्ड में करियर खत्म हो जाता है। मैं यह सोच रही थी कि अगर लोग मेरे पर्सनल स्टेटस से काम देंगे, तो यह गलत बात है। मेरे पास मेडिकल की डिग्री थी। अगर ग्लैमर फील्ड में काम नहीं मिलेगा, तो मेडिकल फील्ड में चली जाऊंगी। उस सोच के साथ मैंने मिसेज वर्ल्ड में भाग लिया और मैं जीत गई। तब हमारे देश में लोगों को पता चला कि मिसेस वर्ल्ड भी कुछ होता है। मैं चाहती हूं कि जो महिलाएं जीवन में कुछ बनने का सपना देख रही हैं, उनको एक मंच दूं। महिलाओं को सही सम्मान दिलाने के लिए मैंने मार्वलस मिसेज इंडिया ब्यूटी पेजेंट शुरू किया। ताकि उन महिलाओं की जर्नी को सेलिब्रेट कर सकूं, जो जीवन में कुछ करना चाहती हैं। आपकी मिसेज वर्ल्ड की जर्नी कैसी रही है? 2001 में मिसेज वर्ल्ड प्रतियोगिता में 47 देश की महिलाओं ने भाग लिया था। फिनाले के समय कई महिलाओं की पूरी फैमिली आई थी। मेरी फैमिली से कोई नहीं था। मेरे एक कॉमन फ्रेंड के कहने पर रितेश देशमुख आए थे। उस समय उनको नहीं पहचानती थी। उस समय वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन मुझे यह जानकार खुशी हुई कि कोई तो भारत से वहां है। आपने सोचा था कि ग्लैमर फील्ड में अपनी किस्मत आजमानी है? बचपन से मुझे डॉक्टर ही बनना था। मेरे पिता जी बहुत स्ट्रिक्ट थे। उन्होंने कहा था कि अगर मेरिट पर नहीं आई तो प्राइवेट कॉलेज में एडमिशन के लिए डोनेशन नहीं देंगे। मेरा पूरा फोकस पढ़ाई पर ही था। मैंने नंबर्स अच्छे आए और मेरा एडमिशन जे जे मेडिकल कॉलेज में हो गया। मेरी मम्मी को फिल्म्स देखने का बहुत शौक था। मैं पनवेल में पली बढ़ी हूं, वहां का रेलवे स्टेशन शूटिंग के लिए बहुत पॉपुलर था। वहां मम्मी के साथ शूटिंग देखने जाती थी। मुझे तो याद ही नहीं था। मम्मी बताती थी कि मुझे गोद में लेकर शूटिंग देखने जाती थीं, लेकिन मेरे मन में एक्टर और मॉडल बनने का कभी ख्याल नहीं आया। फिर कैसे मॉडल और एक्टर बनने का ख्याल आया था? मुझे नई–नई चुनौतियां बहुत पसंद हैं। मुझे अलग–अलग फील्ड के लोगों से दोस्ती रखने में अच्छा लगता है। इससे हमारा नॉलेज बढ़ता है। मैं अपने एक फोटोग्राफर फ्रेंड के साथ लोनावाला घूमने गई थी। मैं बैठी थी, अचानक वो मुझे देखकर बोले कि तुम्हारी बॉडी लैंग्वेज मॉडल जैसी है। उन्होंने मेरे कुछ फोटो शूट किए। उनके पिताजी एक ऐड एजेंसी में काम करते थे। उन्होंने मुझे मॉडलिंग की सलाह दी। मैंने 1996 में ग्लैडरैग्स मेगामॉडल प्रतियोगिता में भाग लिया और जीत गई। उस प्रतियोगिता में यश चोपड़ा, हेमा मालिनी, शोभा डे जज थे। यश चोपड़ा जी ने मिलने के लिए कहा था। मुझे उस समय फिल्म्स में इंटरेस्ट नहीं था। इसलिए नहीं मिलने गई। वह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती थी। मुझे इतनी बड़ी शख्सियत से जरूर मिलना चाहिए था। फिल्म में काम मिलना या ना मिलना अगल बात थी। खैर, इसके बाद भी फिल्मों के ऑफर मिलते रहे और मैं मना करती रही। लेकिन तब आपको कब लगा कि एक्टिंग में किस्मत आजमानी चाहिए? जब एक्टिंग के लिए सामने से ऑफर आ रहे थे, तब सोची कि क्यों ना एक बार कोशिश करके देखा जाए? 1999 में मैंने तेलुगु फिल्म 'थम्मुडु' में पवन कल्याण के साथ काम किया। यह फिल्म सुपरहिट रही। मुझे वहां पर टिके रहना चाहिए था।

कीर्ति सुरेश का वेडिंग कार्ड वायरल

साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश इसी साल शादी के बंधन में बंधने के लिए तैयार हैं. एक्ट्रेस अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड एंटनी थट्टिल संग शादी रचाने जा रही हैं. इस बात का खुलासा खुद कीर्ति ने हाल ही में पैपराजी से बात करते हुए किया था. हालांकि एक्ट्रेस ने वेडिंग डेट नहीं बताई थी. वहीं अब कीर्ति की शादी का कार्ड सामने आ गया है. कीर्ति सुरेश और एंटनी थट्टिल की शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. व्हाइट बैकग्राउंड के साथ फूलों के प्रिंट वाले इस कार्ड पर कीर्ति और एंटनी का नाम लिखा है. कार्ड के मुताबिक कपल 12 दिसंबर 2024 को शादी करेगा. वेडिंग कार्ड पर एक खूबसूरत नोट भी लिखा हुआ है. इंटीमेट सेरेमनी में शादी करेंगे कीर्ति–एंटनी कीर्ति के वेडिंग कार्ड पर लिखा है– श्हमें आपको ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारी बेटी की शादी 12 दिसंबर को एक इंटीमेट सेरेमनी में हो रही है. हम आपके आशीर्वाद का बहुत आदर करते हैं और ईमानदारी से उम्मीद करते हैं कि आप उन्हें अपनी सोच और दुआओं में रखेंगे. अपनी जिंदगी का एक नया चौप्टर शुरू... कार्ड में आगे लिखा है– हम आभारी होंगे अगर आप उन पर अपना आशीर्वाद बरसा सकें क्योंकि वे एक साथ अपनी जिंदगी का एक नया चौप्टर शुरू कर रहे हैं. हार्दिक शुभकामनाओं और ढेर सारे प्यार के साथ जी सुरेश कुमार और मेनका सुरेश कुमार. 15 साल से साथ हैं कीर्ति–एंटनी कीर्ति सुरेश 15 साल से एंटनी थट्टिल के साथ हैं. इस बात का खुलासा उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए किया था. एक्ट्रेस ने एंटनी संग एक रोमांटिक फोटो शेयर कर लिखा था– 5 साल और गिन रहे हैं. ये हमेशा से रहा है. एंटनी कीर्ति.

सोनाक्षी ने शेयर किया शादी का बीटीएस वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने इसी साल 23 जून को जहीर इकबाल से शादी की थी। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी शादी का एक वीडियो शेयर किया है। सोनाक्षी ने अपने यूट्यूब चौनल पर ये बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर करते हुए लिखा आपने शादी के जो वीडियो और फोटोज देखे उसके पीछे सच कुछ और था। सोनाक्षी ने शेयर किया शादी का बीटीएस वीडियो सोनाक्षी सिन्हा ने अपने यूट्यूब चौनल पर शादी का एक बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। जिसमें एक्ट्रेस फूलों की चादर के नीचे शादी में एंट्री लेती दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो में सोनाक्षी काफी हसंते हुए नजर आ रही हैं क्योंकि जिस फूलों की चादर के नीचे वो एंट्री ले रही थीं, वो इतनी भारी थी कि उसे संभालना मुश्किल हो रहा था।शादी में एंट्री लेने में हुई थी परेशानी सोनाक्षी के दोस्त स्टैंड के जरिए फूलों की चादर को संभालने की कोशिश कर रहे थे। जब सोनाक्षी को फूलों की चादर के नीचे लाया गया, तो वो गिरने लगी थी। जिसके कारण एक्ट्रेस काफी हसंते हुए चादर के नीचे से बाहर आ गईं। फिर उनकी बहन उनके पीछे आकर खड़ी हो गई थीं। लेकिन सोनाक्षी की अच्छी फोटोज क्लिक करने के लिए उनको हटा दिया गया और किसी तरह से फूलों की चादर को संभाला और रूम से बाहर लाया गया।

मलाइका अरोड़ा ने कैमरे के सामने पल भर में बदले कपड़े

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चा में रहती हैं। इंडस्ट्री की स्टाइलिश अभिनेत्रियों में से एक मलाइका आए दिन सोशल मीडिया पर अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती हैं।

ब्लैक आउटफिट में हुमा कुरैशी ने लूटा फैंस का दिल

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी फिल्म इंडस्ट्री की जानी–मानी अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री इंडस्ट्री के उन कलाकारों में में शामिल हैं, जिन्होंने कम समय में ही अपनी एक अलग पहचान बना ली है। अपनी खूबसूरती और बेहतरीन अभिनय के लिए एक्ट्रेस लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो चुकी हैं। फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने वाली एक्ट्रेस हुमा कुरैशी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। वह समय–समय पर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

बिकिनी में दोस्तों के साथ चिल करती नजर आई शनाया कपूर

शनाया कपूर इन दिनों अपने दोस्तों के साथ वेकेशन का मजा लेते हुए नजर आ रहीं हैं, शनाया ने वेकेशन पिक्स अपने इंस्टाग्राम पर भी अपलोड की हैं। शनाया की इन तस्वीरों को देख फैन्स शनाया की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

मक्के की रोटी और सरसों का साग खाने के फायदे

सर्दियों की शुरुआत होते ही घरों में साग बनना शुरु हो जाता है। साल भर इसका इंतजार किया जाता है पर क्या आपको मालूम है कि साग को हर कोई नहीं खा सकता। सरसों का साग भले ही स्वादिष्ट होता है लेकिन फाइबर की मात्रा ज्यादा होने के कारण ये पचाने के लिए भारी होता है। यहां जानें किन लोगों को सर्दियों में सरसों का साग नहीं खाना चाहिए और इसका क्या नुकसान होता है।

किन लोगों को करना चाहिए परहेज

जिन्हें पेट से जुड़ी समस्याएं हों: सरसों का साग भारी और गैस बनाने वाला हो सकता है। अगर किसी को एसिडिटी, पेट दर्द या इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम की समस्या है, तो उन्हें इसका सेवन कम करना चाहिए। साग को ज्यादा घी या मसालों के साथ पकाने से यह समस्या और बढ़ सकती है।

जिन्हें किडनी की समस्या हो: सरसों का साग ऑक्सालेट्स से भरपूर होता है, जो किडनी में पथरी (किडनी स्टोन) की समस्या को बढ़ा सकता है। किडनी के रोगियों को इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

थायरॉइड रोगियों को: सरसों में गॉयट्रोजेनिक पदार्थ होते हैं, जो थायरॉइड ग्रंथि की कार्यक्षमता को बाधित कर सकते हैं। थायरॉइड रोगियों को इसे खाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

जिन्हें एलर्जी हो: सरसों का साग कुछ लोगों में एलर्जिक प्रतिक्रिया पैदा कर सकता है, जैसे त्वचा पर रैशेज, गले में जलन या सांस लेने में दिक्कत।जिन लोगों को आयरन से जुड़ी कोई समस्या है, उन्हें यह साग सीमित मात्रा में खाना चाहिए।

सरसों का साग खाने के नुकसान

– अधिक मात्रा में खाने से अपच या भारीपन महसूस हो सकता है।

– ज्यादा तेल, मक्खन या मसालों के साथ पकाया गया साग मोटापा बढ़ा सकता है।

– कच्चे साग में मौजूद गॉयट्रोजेन थायरॉइड को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए इसे अच्छी तरह पकाकर ही खाएं।

सावधानिया

– सरसों का साग पकाने से पहले इसे अच्छी तरह धो लें ताकि इसमें मौजूद गंदगी और कीटनाशक हट जाएं।

– इसे अन्य सागों (जैसे बथुआ, पालक) के साथ मिलाकर पकाएं ताकि संतुलित पोषण मिल सके।

– कम मसालों और घी का उपयोग करें।

नोट: यदि आपको ऊपर बताई गई समस्याओं में से कोई भी हो, तो सरसों का साग खाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

दुल्हनों के बीच पॉपुलर हैं ये ज्वैलरीज

शादी के मौके पर एथनिक ज्वेलरी दुल्हन की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देती है। भारतीय दुल्हनों के लिए पारंपरिक गहनों का चयन उनकी ड्रेस और लुक को परफेक्ट बनाता है। एथनिक ज्वेलरी का चलन हमेशा खास रहता है, लेकिन अब इसके डिजाइन और स्टाइल में भी नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। जानिए एथनिक ज्वेलरी के लोकप्रिय प्रकार और ट्रेंड्स।

कुंदन ज्वेलरी

यह दुल्हनों के बीच हमेशा लोकप्रिय है। इसमें जड़े हुए कुंदन के पत्थर इसे रॉयल लुक देते हैं। लाल या हरे लहंगे के साथ कुंदन हार या मांगटीका का परफेक्ट कॉम्बिनेशन होता है।

पोल्की ज्वेलरी

कुंदन की तरह पोल्की भी अनकट डायमंड से बनी होती है। इसे हल्के और भारी दोनों लुक में पहना जा सकता है। ओवरलोड से बचें, एक स्टेटमेंट पीस चुनें और बाकी को हल्का रखें।

टेंपल ज्वेलरी

टेंपल ज्वेलरी दक्षिण भारतीय दुल्हनों के बीच काफी लोकप्रिय है। इसमें देवी–देवताओं की आकृतियां बनी होती हैं, जिससे एक रॉयल लुक मिलता है। इससे दुल्हन की खूबसूरतीऔर अधिक निखार जाती है है और उसका लुक हमेशा के लिए यादगार बना जाता है।

चोकर सेट

आजकल दुल्हनें चोकर सेट को पसंद कर रही हैं। इसे लहंगे और साड़ी दोनों के साथ स्टाइल किया जा सकता है।

ओवरसाइज्ड नथ

ओवरसाइज्ड नथ एक मॉडर्न लेकिन ट्रेडिशनल टच देती है। मेकअप को ज्वेलरी के साथ बैलेंस करें।

मांगटीका और पासा

मांगटीका हर दुल्हन के लिए जरूरी है। इसके साथ पासा का उपयोग दुल्हन को मुगल लुक देता है। मॉडर्न और ट्रेडिशनल को मिक्स एंड मैच करके नया लुक बना सकते हैं।

ओक्सिडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी

हल्दी या मेहंदी फंक्शन के लिए ओक्सिडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी परफेक्ट रहती है। यह एक अनोखा और ट्रेंडी विकल्प है।

पायल और बिछुए

दुल्हन के लुक को पूरा करने के लिए यह जरूरी है। इसके बीना तो दुल्हन का लुक अधूरा लगता है

ध्यान में रखें ये बातें

– गोल्डन ज्वेलरी लाल, हरे और मैरून लहंगे के साथ अच्छी लगती है।

– सिल्वर या डायमंड ज्वेलरी पेस्टल शेड्स के साथ बेहतर दिखती है।

– गोल चेहरे पर लंबी ज्वेलरी और ओवल फेस पर चौड़ी ज्वेलरी ज्यादा आकर्षक लगती है।

– हल्दी या मेहंदी के लिए हल्की और ट्रेडिशनल शादी के लिए भारी ज्वेलरी चुनें।

नेचुरल ग्लो पाने के लिए घरेलू उपाय

सर्दी के दौरान स्किन की देखभाल करना काफी जरुरी है। इन पारंपरिक उपायों के जरिए त्वचा की देखभाल कर सकते हैं। यह घरेलू उपाय हमारी स्किन के लिए कैसे फायदें है, जानें इस आर्टिकल में–

चाहे ठंडी हवा हो या दोपहर की हल्की धूप हो, सर्दी कई मायनों में एक खूबसूरत मौसम है। हालांकि, अगर नजरअंदाज कर दिया जाए तो ठंडी हवा अक्सर हमारी त्वचा को सुस्त और ड्राई बना सकती है। सर्दियों का मौसम हमारी त्वचा और बालों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं सर्दियों में किस तरह त्वचा का ख्याल रखना जरुरी है।

नारियल का तेल

नारियल का तेल त्वचा पर सुरक्षा प्रदान करता है और नमी को बनाए रखता है। नहाने से ठीक पहले इसका प्रयोग आपकी त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है, वहीं नारियल का तेल एक्जिमा जैसे संक्रमण का इलाज करने और ड्राई, पपड़ीदार और खुजली वाली त्वचा के लक्षणों को कम करने में भी मदद कर सकता है।

घी

घी पारंपारिक रुप से त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। घी में मौजूद आवश्यक फैटी एसिड त्वचा को काफी पोषण प्राप्त होता है और स्किन की मरम्मत करना भी जरुरी है। घी किसी मॉइस्चराइजर से कम नहीं है। घी को चेहरे और होठों पर थोड़ी सी मात्रा लगाने से ड्राई स्किन से निपटा जा सकता है।

शहद

शहद का प्रयोग मॉइस्चराइजर के रुप में किया जा सकता है। शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन को जवान और चमकदार बनाता है। यह चेहरे की महीन रेखाएं और झुर्रियों कम करता है। शहद में एंटीऑक्सीडेंट भी मौजूद होता हैं, जो मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो समय से पहले बूढ़ा होने का प्रमुख कारणों में से

एक होता है। अगर आप फेस पर शहद का बना हुए पैक लगाते हैं, तो स्किन मुलायम बनाती है।

हल्दी

सर्दी के दौरान हल्दी का प्रयोग त्वचा के लिए बेहद लाभकारी होता है। क्योंकि यह ड्राई त्वचा, मुंहासे और सुस्ती से निपटने में मदद कर सकती है। हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो त्वचा की प्राकृतिक चमक को लाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन सेंसिटिव या ऑलीय त्वचा वाले लोगों को इसके प्रयोग नहीं करना चाहिए।

मलाई

मलाई में प्राकृतिक एंजाइम शामिल होते हैं जो त्वचा को धीरे से एक्सफोलिएट करते हैं, मृत कोशिकाओं को हटाते हैं और सेल टर्नओवर को बढ़ावा देते हैं। मलाई चमकदार रंगत पाने और अक्सर सर्दियों की त्वचा से जुड़ी सुस्ती से निपटने में मदद करता है। हालांकि, तैलीय त्वचा वाले लोगों को इसे अधिक समय तक नहीं रखना चाहिए और इसके बाद किसी सौम्य फेसवॉश से अपना चेहरा धोना जरुरी है।

सर्दियों में मूली खाने के बड़े फायदे, हार्ट अटैक के साथ सर्दी–खांसी से भी होगा बचाव

सर्दियों में लोग मूली की सब्जी और सलाद बनाकर खाना खूब पसंद करते हैं। मूली ना सिर्फ स्वादिष्ट होती है बल्कि कई पोष्टिक तत्वों से भी भरपूर होती है। विटामिन सी से भरपूर मूली पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने से लेकर इम्यूनिटी बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मूली ना सिर्फ पाचन तंत्र के लिए अच्छी है बल्कि यह एसिडिटी, मोटापा, गैस्ट्रिक समस्याओं और मतली को ठीक करने में भी मदद करती है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि मूली खाने से सेहत को क्या–क्या फायदे होते हैं और सर्दियों में इसका सेवन कैसे किया जाए...

मूली की तासीर

मूली भले ही ठंडी लगती है लेकिन इसकी तासीर गर्म होती है। वहीं, सर्दियों में ही इसकी पैदावर सबसे अधिक होती है। यही वजह है कि सर्दियों में इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है। हैरानी की बात यह है कि शाम के समय इसकी तासीर ठंडी हो जाती है इसलिए रात को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

चलिए अब आपको बताते हैं कि मूली खाने से सेहत को क्या–क्या फायदे मिलते हैं...

इम्युनिटी बढ़ाए

विटामिन–सी से भरपूर होने के कारण मूली का सेवन इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता है। इससे आप सर्दी–खांसी, जुकाम, कफ से बचे रहते हैं। इससे शरीर में सूजन व जलन से भी आराम मिलता है।

ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाए

मूली लाल रक्त कोशिकाओं को सर्दियों में होने वाले नुकसान से बचाती है। साथ ही इसे खाने से रक्त में ऑक्सीजन की आपूर्ति भी बढ़ जाती है।

दिल को रखे स्वस्थ

इसमें एंथोसायनिन नामक तत्व होता है, जो दिल के रोगों का खतरा कम करता है। इसके अलावा वे विटामिन सी, फोलिक एसिड, और फ्लेवोनोइड होते हैं जो दिल के लिए फायदेमंद है।

कैंसर से बचाव

मूली में ग्लूकोसाइनोलेट्स होते हैं, जो क्रूसिफेरस सब्जियों में पाए जाने वाले सल्फर युक्त यौगिक होते हैं। ये यौगिक उन कोशिकाओं को खत्म कर सकते हैं, जिनसे भविष्य में कैंसर का खतरा रहता है।

फंगस से लड़ने में मददगार

फंगस की समस्या को दूर करने में भी मूली बहुत फायदेमंद है। इसमें एक एंटिफंगल यौगिक होता है, जो कैंडिडा बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है।

डायबिटीज से बचाव

प्रीडायबिटीज या ब्लड शुगर के मरीज है तो मूली का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। यह ग्लूकोज तेज और रक्त शर्करा में सुधार करती हैं। इससे टाइप 2 मधुमेह का खतरा भी काफी कम होता है।

बॉडी को करे हाइड्रेट

शरीर में पानी की कमी स्किन प्रॉब्लम्स, सिरदर्द, बार–बार बुखार जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है। मगर, प्रति 100 ग्राम में 93.5 ग्राम! यह लगभग एक खीरे के बराबर है जो कि 95.2 ग्राम प्रति 100 ग्राम है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

पोटेशियम से भरपूर होने के कारण इसका सेवन रक्तचाप को कम करने में मदद करता है। मूली कोलेजन के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संक्षिप्त

अब निजी क्षेत्र के लिए पूंजीगत व्यय अभियान में शामिल होने का वक्त: कुमार मंगलम

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने भारतीय कंपनियों से निवेश पर ध्यान देने और पूंजीगत व्यय बढ़ाने का आह्वान किया। बिड़ला ने यहां उद्योग मंडल बॉम्बे चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 189वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने पिछले दशक में अपने पूंजीगत व्यय में पांच गुना वृद्धि की है और अब कंपनी जगत के लिए इस पहल का हिस्सा बनने का वक्त है। निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में आई कमी को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बीच बिड़ला ने कहा कि उनके विविधीकृत समूह और अन्य बड़े समूहों ने अभूतपूर्व क्षमता विस्तार अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा, उद्योग जगत के लिए अब समय आ गया है कि वे भी इस अभियान का हिस्सा बनें। इस निवेश उत्साह को अधिक व्यापक बनाने की जरूरत है। हमारे पास विकास के लिए दृष्टिकोण को परिभाषित करने और कल के भारत को आकार देने की क्षमता और जिम्मेदारी है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब जुलाई–सितंबर की अवधि में वृद्धि दर सुस्त होकर सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पर आ गयी। निवेश की अनिच्छा और अधिक क्षमता पर काम करने की प्राथमिकता को इस सुस्ती के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। बिड़ला ने कहा कि सरकार ने सक्षम परिवेश बनाकर अपना काम कर दिया है और अब कंपनियों को वृद्धि तेज करनी है। उन्होंने बड़ा सोचने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि भारत विनिर्माण और सेवा केंद्र के रूप में दुनिया की आपूर्ति शृंखलाओं को नए सिरे से जोड़ सकता है। बिड़ला ने कहा कि नई दृष्टि को वैश्विक रूप से निर्धारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं जहां भारतीयों की महत्वाकांक्षा और कल्पना प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने का लक्ष्य हासिल करने के लिए नवाचार, प्रतिभा और स्थिरता पर पर्याप्त ध्यान देना होगा।

स्पाइसजेट ने कर्मचारी भविष्य निधि मद में 160 करोड़ रुपये का बकाया चुकाया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने दो साल से कर्मचारी भविष्य निधि मद में बकाया 160.07 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही एयरलाइन ने हाल ही में 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जिसके बाद वह

वैधानिक, जीएसटी (माल और सेवा कर) और अन्य बकाये का भुगतान कर रही है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि दो वर्षों से अधिक समय से बकाया 160.07 करोड़ रुपये के कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) बकाये का भुगतान कर दिया गया है। बयान के अनुसार, अक्टूबर से स्पाइसजेट अपने आंतरिक नकदी प्रवाह का उपयोग अपने सांविधिक दायित्वों को पूरा करने के लिए कर रही है, जिसमें भविष्य निधि और टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) भुगतान शामिल हैं। एयरलाइन ने विमान पट्टेदारों और अन्य लेनदारों के साथ विभिन्न विवादों को भी सुलझा लिया है। बीएसई पर स्पाइसजेट का शेयर 1.38 फीसदी बढ़कर 58.59 रुपये पर बंद हुआ।

Zomato ने किया बिस्ट्रो ऐप लॉन्च, अब जेप्टो को मिलेगी जोरदार टक्कर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। क्विक–कॉमर्स सर्विस प्रोवाइटर ब्लिंकिट ने बिस्ट्रो नाम से एक नया फूड डिलीवरी ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप 10 मिनट से कम समय में ''स्नैक्स, भोजन और सॉफ्ट ड्रिंक्स'' उपलब्ध कराने का वादा करता है। इंस्टेंट फूड डिलिवरी सेक्शन में कदम रखते हुए, यह ऐप ज़ेप्टो के आगामी ज़ेप्टो कैफे ऐप को टक्कर देने के लिए तैयार है। जोमैटो की किराना शाखा ब्लिंकिट का बिस्ट्रो गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। ये जल्द ही ऐप्पल के पै पर भी उपलब्ध होने की योजना के साथ, नया ऐप आकर्षक क्विक फूड डिलीवरी स्पेस को चुनौती देता है। ठीक उसी तरह जैसे ज़ेप्टो ने जेप्टो कैफे ऐप के अलग लॉन्च की घोषणा की है। 6 दिसंबर को गूगल प्ले स्टोर पर रिलीज़ किए गए बिस्ट्रो में कुछ क्लाउड किचन शामिल हैं – और ''अत्यधिक अनुकूलित प्रक्रियाएँ'' भी है। यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि भोजन निर्धारित समय के भीतर वितरित किया जाए। बता दें कि इसके अलावा जेप्टो कैफे भी है, जो अपने संचालन के लिए भौतिक दुकानों पर निर्भर रहेगा। जेप्टो के सीईओ आदित पालिचा के अनुसार हर महीने 100 से ज़्यादा कैफे खुलेंगे। मौजूदा जानकारी के मुताबिक ब्लिंकिट ज़ोमैटो की किराना क्विक–कॉमर्स सहायक कंपनी है। इसका नया ऐप, बिस्ट्रो, 6 दिसंबर, 2024 को Google Play Store प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ किया गया था। इसका उद्देश्य ''सिर्फ़ 10 मिनट में स्नैक्स, भोजन और पेय पदार्थ डिलीवर करना'' है। यह घोषणा ब्लिंकिट के त्वरित वाणिज्य प्रतिस्पर्धी ज़ेप्टो द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद आई कि वह ज़ेप्टो कैफे के लिए एक अलग ऐप लॉन्च कर रहा है, जो उस इकाई की सफलता से प्रेरित है। हालांकि बिस्ट्रो गूगल प्ले स्टोर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है, परंतु यह अभी तक एप्पल आईओएस स्टोर पर उपलब्ध नहीं है।

गाबा टेस्ट का पहला दिन चढ़ा बारिश की भेंट, महज 13.2 ओवर का खेल ही हो पाया

गाबा, एजेंसी। ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट खेला जा रहा है। लेकिन मैच पहला दिन बारिस की भेंट चढ़ गया। पहले दिन सिर्फ 13.2 ओवर का ही खेल हो पाया। ओवरकास्ट कंडीशन को देखते हुए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में दो बदलाव हुए थे। रविंद्र जडेजा और आकाशदीप आर अश्विन व हर्षित राणा की जगह टीम में आए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया एक बदलाव के साथ उतरा है। स्कॉट बोलैंड की जगह जोश हेजलवुड की वापसी हुई है। पहले बल्लेबाजी के लिए उतरे उस्मान ख्वाजा और युवा नाथन मैकस्वीनी ने अच्छी रक्षात्मक तकनीक का प्रयोग करके जसप्रीत बुमराह के पहले स्पैल को संभलकर खेला लेकिन तीसरे टेस्ट के पहले दिन बारिश के कारण सिर्फ 13.2 ओवर फेंके जा सके जिसमें आस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बिना किसी नुकसान के 28 रन तक बना लिये। खराब मौसम के कारण पहले सत्र के बाद कोई खेल नहीं हो सका। मौसम विभाग ने अगले चार दिन भी बारिश का अनुमान जताया है। ख्वाजा 47 गेंद में 19 और मैकस्वीनी 33 गेंद में चार रन बनाकर खेल रहे हैं। टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा खुश होंगे कि आस्ट्रेलियाई सलामी जोड़ी ज्यादा रन नहीं बना सकी लेकिन उनके गेंदबाजों ने बल्लेबाजों को खेलने के लिये मजबूर ही नहीं किया। अधिकांश गेंदें बल्लेबाजों ने छोड़ना ही मुनासिब समझा। जब लग रहा था कि भारतीय गेंदबाज आक्रमण के मूड में हैं, बारिश हो गई और गेंदबाजों की लय टूट गई। बारिश के कारण लंच ब्रेक जल्दी ले लिया गया और पहले सत्र में 13 .2 ओवर ही फेंके जा सके। भारत के लिये जसप्रीत बुमराह ने छह ओवर में आठ रन दिये जबकि मोहम्मद सिराज ने चार ओवर में 13 रन दिये। बुमराह का इस श्रृंखला में यह सबसे औसत प्रारंभिक स्पैल है। पिच से उछाल मिलने के बावजूद उन्होंने छह ओवरों के पहले स्पैल में विकेट लेने वाली ज्यादा गेंदें नहीं डाली जबकि सिराज ने ज्यादातर शॉर्टपिच गेंदें फेंकी। ख्वाजा ने उन्हें दो चौके लगाकर नसीहत दी। छठे ओवर में भी बूंदाबांदी के कारण खेल रोकना पड़ा था जब स्कोर 19 रन था। तेज गेंदबाजों को पिच से स्विंग नहीं मिल रही थी और बुमराह कुछ मौकों पर ही ख्वाजा को परेशान कर सके। सिराज को तीन ओवर के पहले स्पैल के बाद हटाकर आकाश दीप को गेंद सौंपी गई जिन्होंने 3.2 ओवर में दो रन दिये। पहले सत्र में सभी की नजरें इस पर थी कि ख्वाजा किस तरह बुमराह की गेंदों को खेलते हैं। उन्होंने अच्छी तकनीक का इस्तेमाल किया और बल्ले को शरीर के करीब ही रखा। उन्होंने उन्हीं गेंदों को खेला जो उनके शरीर पर डाली गई थी। उन्हें बखूबी पता है कि बुमराह के पहले स्पैल को इत्मीनान से खेलने के बाद वे बाकी गेंदबाजों पर दबाव बना सकते हैं। पांच मैचों की श्रृंखला फिलहाल 1–1 से बराबर है।

मोहम्मद आमिर ने दूसरी बार इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास, वर्ल्ड कप 2024 में लिया था हिस्सा

मोहम्मद आमिर ने एक बार फिर इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने संन्यास का ऐलान कर दिया है। आमिर ने इसी साल जून में हुए टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए अपनी रिटायरमेंट से वापसी की थी, उस टूर्नामेंट में पाकिस्तान कुछ खास नहीं कर पाया था और लीग स्टेज में ही बाहर हो गया था।

पहले इमाद वसीम और अब पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने एक बार फिर इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने संन्यास का ऐलान कर दिया है। आमिर ने इसी साल जून में हुए टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए अपनी रिटायरमेंट से वापसी की थी, उस टूर्नामेंट में पाकिस्तान कुछ खास नहीं कर पाया था और लीग स्टेज में ही बाहर हो गया था। आमिर उसके बाद टीम में वापस नहीं आए और अब उन्होंने दूसरी बार संन्यास की घोषणा कर दी है। आमिर ने सोशल मीडिया के जरिए अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया। इस दौरान उन्होंने लिखा कि, सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, मैंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का कठिन निर्णय लिया है। ये निर्णय कभी भी आसान नहीं होते, लेकिन अपरिहार्य होते हैं। मुझे लगता है कि अगली पीढ़ी के लिए ये सही समय है कि वे कमान संभालेंगे और पाकिस्तान क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। उन्होंने आगे लिखा कि, अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। मैं ईमानदारी से पीसीबी, अपने परिवार और दोस्तों और सबसे बढ़कर अपने फैंस को उनके निरंतर प्यार और समर्थन के लिए शुक्रिया करता हूं। 32 साल के आमिर ने जून 2009 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 वनडे और 62 टी20 मैच खेले हैं। मैच फिक्सिंग के चलते उनपर बैन भी लगा था।

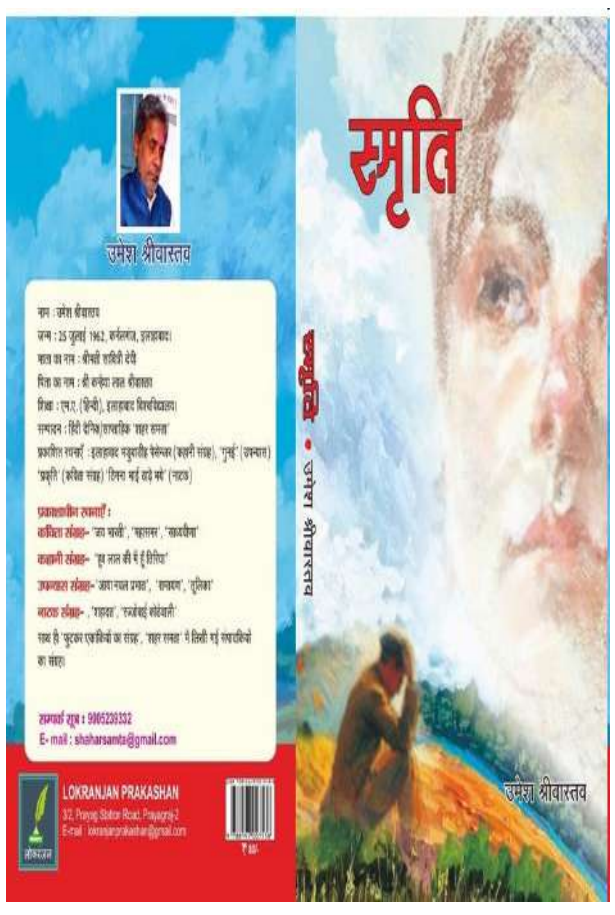

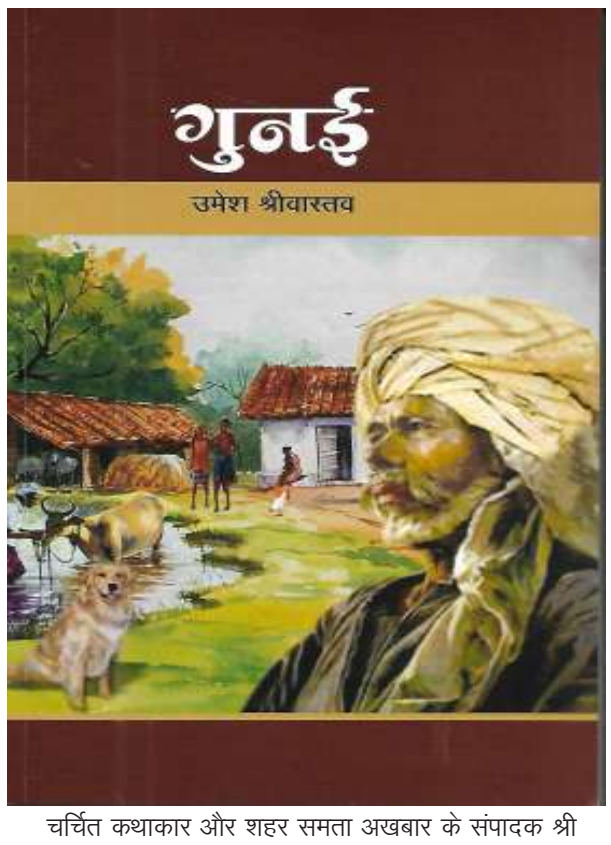

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

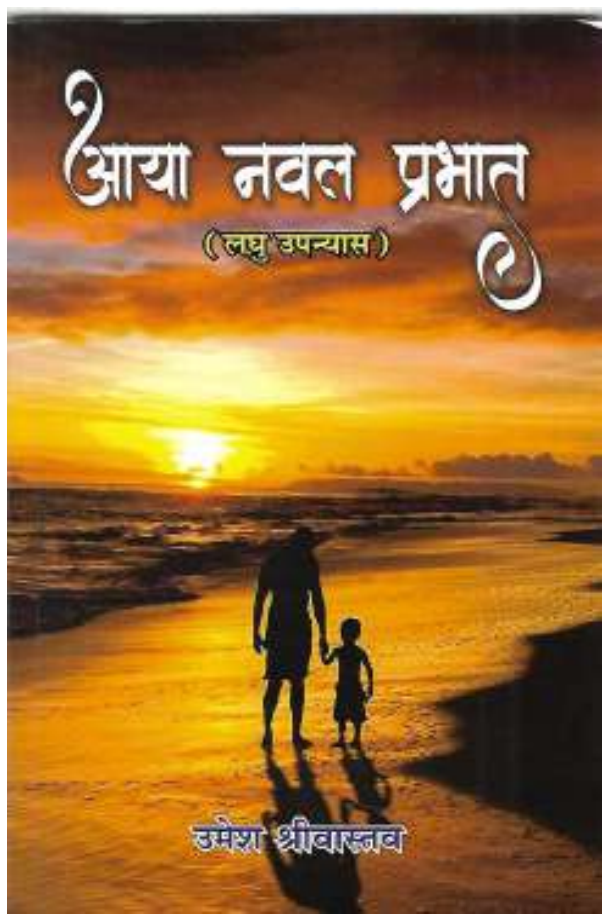

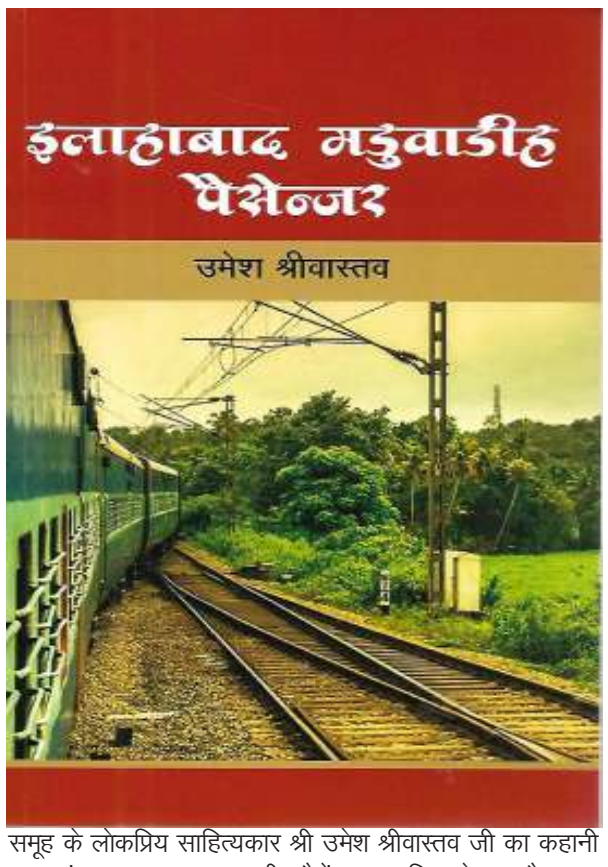

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

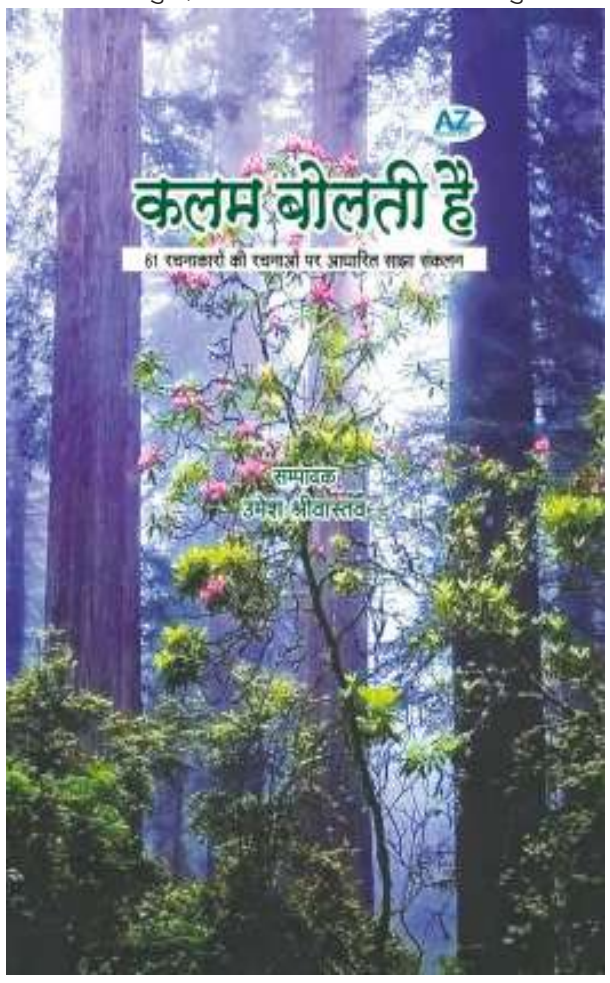

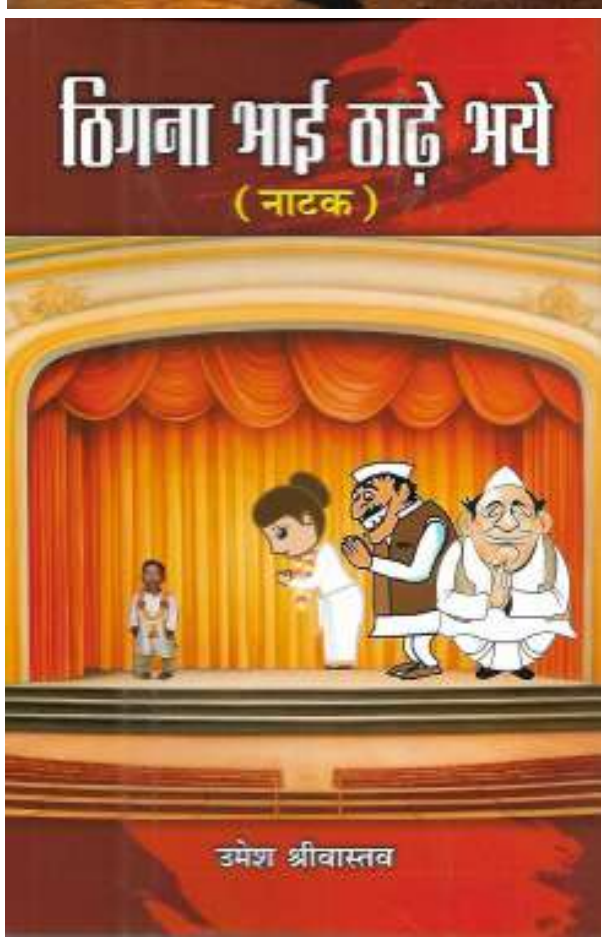

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

'समय आ गया है कि अमेरिका कार्रवाई करे', बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर बोले भारतीय अमेरिकी सांसद

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों के मुद्दे पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिकी संसद इस मामले पर कार्रवाई करे। शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही श्री थानेदार लगातार हिंदुओं पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठा रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं।

भारतीय अमेरिकी सांसद ने दी प्रतिक्रिया

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा, ''भीड़ ने हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया। अब समय आ गया कि इसपर अमेरिकी संसद और अमेरिकी सरकार कार्रवाई करें। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए हरसंभव उपकरण का अपयोग करने की आवश्यकता है।'' बांग्लादेश पर आरोप लगाते हुए थानेदार ने कहा, ''1971 में पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। हाल ही में हमने देखा कि एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार

कर लिया गया और उसके वकील की हत्या कर दी गई।'' व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति कठिन हो गई। हम इस चुनौती से निपटने के लिए कानूनी प्रवर्तन और सुरक्षा सेवाओं की की क्षमता बढ़ाने के लिए अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने सांसद रूबियो से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, मुख्य रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने का आग्रह किया है।बता दें कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीर्ष राजनयिक पद के लिए सांसद रूबियो को नामित किया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर हाल ही में बड़ी संख्या में भारतीय–अमेरिकियों ने मार्च निकाला था।

कौन हैं मिशेल बार्नियर? मैक्रों ने फ्रांस के नए प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें ही क्यों चुना

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रेंकोइस बायरू को 2024 का अपना तीसरा प्रधान मंत्री नामित किया। अनुभवी मध्यमार्गी को पिछले छह महीनों में देश को दूसरे बड़े राजनीतिक संकट से बाहर निकालने का काम सौंपा। फ्रांस के दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों ने पिछले सप्ताह ऐतिहासिक अविश्वास प्रस्ताव पर एक साथ मिलकर मतदान किया था, जिसके कारण प्रधानमंत्री माइकल बार्नियर और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को इस्तीफा देना पड़ा था। मैक्रों और उनके सहयोगियों ने कई हफ्ते तक किए गए गहन प्रयासों के बाद 73 साल के बार्नियर की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को एक ऐसे उम्मीदवार की तलशा में थे जो मैक्रों के विरोधियों द्वारा नई सरकार को गिराने की कोशिशों को नाकाम कर सके। मैक्रों ने पिछले सप्ताह अपने कार्यकाल के अंत तक (2027) पद पर बने रहने का संकल्प जताया था। मैक्रों के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बायरू को नयी सरकार बनाने का जिम्मा सौंपा गया है। उम्मीद है कि बायरू आने वाले दिनों में नए मंत्रियों के चयन के लिए विभिन्न दलों के नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। यह कार्य चुनौतीपूर्ण प्रतीत होता है, क्योंकि मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन के पास संसद में बहुमत नहीं है और बायरू के मंत्रिमंडल को सत्ता में बने रहने के लिए वामपंथी और दक्षिणपंथी दोनों पक्ष के उदारवादी सांसदों पर निर्भर रहना होगा। मैक्रान के कार्यालय से बार्नियर की नियुक्ति की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा गया कि उन्हें देश और फ्रांसीसी लोगों की सेवा के लिए एक एकीकृत सरकार बनाने का काम सौंपा गया है। मैक्रों ने पिछले कुछ हफ्तों में कई संभावित प्रधानमंत्री उम्मीदवारों पर विचार किया था, लेकिन किसी ने भी स्थिर सरकार का समर्थन हासिल नहीं किया।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को मार्शल लॉ लगाना पड़ा भारी, संसद में महाभियोग प्रस्ताव पारित

सिओल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की संसद ने राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित हो गया है। देश में मार्शल लॉ लगाने के फैसले के बाद से राष्ट्रपति योल विवादों में घिर गए थे। हालांकि, जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद उन्होंने इसे वापस ले लिया था। बता दें कि दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे तक लागू रहा। मार्शल लॉ के कारण विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया था। हालांकि, यह प्रस्ताव असफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। देश में महाभियोग के लिए 300 सीटों वाली संसद में 200 वोटों की आवश्यकता थी, लेकिन विपक्ष के पास केवल 192 सीटें थीं। सत्तारूढ़ पार्टी के केवल तीन सांसदों ने वोटिंग में भाग लिया, जिससे प्रस्ताव खारिज हो गया। वहीं नेशनल असेंबली के स्पीकर ने इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बताया। संसद में एकबार फिर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया।

ब्रिटिश संसद में भारतीय मूल की सहकर्मी के अपमान का आरोप, तीन सप्ताह के निलंबन की सिफारिश

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद में कंजर्वेटिव पार्टी की एक पीयर को तीन सप्ताह के लिए निलंबित करने और आचरण संबंधी प्रशिक्षण दिए जाने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश इसलिए की गई है क्योंकि हाउस ऑफ लॉर्ड्स की आचरण समिति ने जांच के दौरान पाया कि पीयर ने भारतीय मूल के एक सहकर्मी को लॉर्ड पोपाडोम कहकर उनका अपमान किया। बता दें कि पीयर ब्रिटेन की संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य होते हैं। बैरोनेस कैथरीन मेयेर पर इस वर्ष की शुरुआत में संसदीय समिति के साथी सदस्य के रूप में रवांडा की यात्रा के दौरान भारतीय मूल के लिबरल डेमोक्रेट लॉर्ड नवनीत ढोलकिया का "अपमानजनक" तरीके से उल्लेख करने का आरोप लगाया गया था। जानकारी के अनुसार बैरोनेस मेयेर के आचरण को लेकर गुरुवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लिबरल डेमोक्रेट्स के उपनेता लॉर्ड ढोलकिया के प्रति उनके आचरण के संबंध में नस्लीय टिप्पणी के साथ उत्पीड़न की शिकायत का जिक्र किया गया। इसको लेकर रिपोर्ट में बैरोनेस मेयेर को सदन से तीन सप्ताह के लिए निलंबित किए जाने की सिफारिश की गई है। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि बैरोनेस मेयेर ने दो बार लॉर्ड ढोलकिया को लॉर्ड पोपाडोम कहा, इसके कारण निलंबन की अनुशंसा की गई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

रूस ने यूक्रेन पर कर दी क्रूज मिसाइलों की बरसात, पावर ग्रिड को भी बनाया गया निशाना

रूस, एजेंसी। रूस–यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के बीच रूसी सेना ने कीव पर बड़ा हवाई हमला किया। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री हरमन हालुशचेंको ने रूसी सेना पर यूक्रेनी पावर ग्रिड को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि दुश्मन अपना आतंक जारी रखे हुए है। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया है कि रूस ने यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्रों के खिलाफ हवा से प्रक्षेपित बैलिस्टिक किंजल मिसाइलों का इस्तेमाल किया है, उन्होंने कहा कि यूक्रेन में कई स्ट्राइक ड्रोन लॉन्च किए गए, जिसके बाद देश के हवाई क्षेत्र में क्रूज मिसाइलों के झुंड आए। क्रेमलिन का लक्ष्य सर्दी शुरू होते ही देश की बिजली उत्पादन क्षमता को

नष्ट करना है। फरवरी 2022 में अपना आक्रमण शुरू करने के बाद से, रूस ने यूक्रेन की बिजली प्रणाली पर लगातार हमला किया है। यूक्रेनी उत्साह और संकल्प को तोड़ने के एक स्पष्ट प्रयास में कड़ाके की सर्दी के महीनों के दौरान महत्वपूर्ण हीटिंग और पीने के पानी की आपूर्ति को बार–बार बंद करना पड़ा। मॉस्को ने घोषणा की है कि हमलों का उद्देश्य यूक्रेन के रक्षा उद्योग को बाधित करना, मिसाइलों, ड्रोन, बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने सहित अन्य हथियारों के उत्पादन को विफल करना है। 28 नवंबर को इसी तरह के एक बड़े हमले में लगभग 200 मिसाइलें और ड्रोन शामिल थे और आपातकालीन टीमों द्वारा आपूर्ति बहाल होने तक दस लाख से अधिक घरों में बिजली नहीं थी। यूक्रेनी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस अधिक हमलों के लिए क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार जमा कर रहा है। 21 नवंबर को, रूस ने पहली बार पूर्वी यूक्रेन के डीनिप्रो शहर में एक औद्योगिक संयंत्र पर हमला करने के लिए मध्यवर्ती दूरी की हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ओरेशनिक मिसाइल से हमले को लंबी दूरी के पश्चिमी हथियारों के साथ रूसी क्षेत्र पर यूक्रेनी हमलों का प्रतिशोध बताया। उन्होंने घोषणा की कि नए हथियारों से और हमले हो सकते हैं।

जर्मनी में गहराया राजनीतिक संकट, विश्वास मत के बाद आएगी मध्यावधि चुनाव की आहट ?

जर्मनी, एजेंसी। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था राजनीतिक उथल–पुथल में घिर गई है। महीनों की अंदरूनी कलह के बाद स्कोल्ज़ का तीन–पक्षीय गठबंधन टूट गया। जर्मन संसद में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ विश्वास मत निश्चित रूप से हारेंगे। आखिरी बार किसी जर्मन चांसलर ने लगभग 20 साल पहले विश्वास मत मांगा था। लेकिन 16 दिसंबर को जर्मन नेता ओलाफ स्कोल्ज़ बुंडेस्टाग के सदस्यों से वोट करने के लिए कहेंगे यदि वे अभी भी उनका समर्थन करते हैं। स्कोल्ज़ के वोट हारने की व्यापक संभावना है, जिससे जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक–वाल्टर स्टीनमीयर तीन सप्ताह के भीतर संसद को भंग कर देंगे, जिससे 23 फरवरी की शुरुआत में आकस्मिक चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

जर्मनी में किस बात को लेकर हो रही वोटिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार चुने जाने के कुछ ही घंटों बाद जर्मन सरकार गिर गई, स्कोल्ज़ ने जर्मन वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को भावनाओं के एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन में निकाल दिया, जो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदर्शित हुआ था। तब से, यह सामने आया है कि लिंडनर की पार्टी ने गठबंधन तोड़ने की पूर्व–योजना बनाई थी, और कुछ लोकप्रियता हासिल करने के लिए समय से पहले चुनाव कराने के अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, चिंताएं हैं कि उदारवादी (एफडीपी) ऐसा नहीं करेंगे। संसद में प्रवेश के लिए आवश्यक 5: सीमा से अधिक तक पहुँचें।

नए चुनावों में वास्तव में क्या दांव पर लगा है?

जर्मनी की अर्थव्यवस्था लगातार स्थिर बनी हुई है क्योंकि वोक्सवैगन, थिसेनक्रुप और बॉश जैसी प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों सहित हजारों नौकरियों और बाजारों को खत्म करने की योजना बना रही हैं, एशियाई बाजारों की ओर बढ़ रही हैं, एक जोखिम है कि राजनीतिक अस्थिरता अर्थव्यवस्था को हतोत्साहित कर सकती है। ठीक हो रहा है। फंके का कहना है कि राजनीतिक दल दबाव महसूस कर रहे हैं। ऑटोमोटिव और स्टील उद्योगों के साथ–साथ आपूर्तिकर्ताओं के बीच गंभीर संकट को देखते हुए, अन्य देशों की तुलना में असाधारण रूप से कम विकास की संभावनाओं के साथ, ढाई महीने में चुनाव से पहले कुछ उपायों को लागू करने का महत्वपूर्ण दबाव है।

यात्रा के दौरान पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लगी चोट, अस्पताल में चल रहा है इलाज

लक्जमबर्ग, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लक्जमबर्ग की आधिकारिक यात्रा के दौरान चोट लग गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पेलोसी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। वह बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वी वर्षगांठ मनाने के लिए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा कर रही थीं। बता दें कि बैटल ऑफ बुल्ज द्वितीय विश्व युद्ध का एपिसोड है। यह जर्मन आक्रमण के परिणामस्वरूप शुरू हुआ और गठबंधन बलों की जीत के साथ समाप्त हुआ।

लक्जमबर्ग की यात्रा के दौरान लगी चोट

नैंसी पेलोसी के प्रवक्ता इयान क्रैगर ने कहा, बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए लक्जमबर्ग में एक कांग्रेस प्रतिनिमंडल के साथ यात्रा के दौरान स्पीकर

एमेरिटा नैन्सी पेलोसी को चोट लग गई। उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। उन्होंने चोट के कारण बाकी कार्यक्रमों में शामिल न होने पर दुख जताया। प्रवक्ता ने आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी डॉक्टरों से इलाज करवा रही हैं। उन्होंने काम करना जारी रखा है। उन्हें इस बात का दुख है कि वह सैनिकों के साहस का सम्मान करने के लिए शेष सीओडीईएल (CODEL) कार्यक्रमों में भाग लेने में असमर्थ है। नैंसी पेलोसी ने अपना आभार व्यक्त करते हुए अमेरिकी दिग्गजों का धन्यवाद किया। प्रवक्ता ने अपने बयान में आगे कहा, ष्स्पीकर एमेरिटा पेलोसी ने हमारे दिग्गजों का धन्यवाद किया। उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध में यूरोप में शांति लाने में दिग्गजों की भूमिका के लिए लक्जमबर्ग और बास्टोग्ने के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। नैंसी पेलोसी को प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा करने के लिए व्यक्तिगत और आधिकारिक रूप से सम्मानित किया गया था। उन्हें सम्मानित करने वालों में से कई लोगों के परिवार के सदस्य द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल हुए थे। इस युद्ध में उनके (पेलोसी) चाचा जॉनी भी शामिल थे। फिलहाल वह अमेरिका वापस लौटने की प्रतिक्षा कर रही है। बता दें कि नैंसी पेलोसी ने स्पीकर ऑफ द हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के अध्यक्ष के रूप में काम किया। वह साल 2007 में सदन की अध्यक्ष के तौर पर सेवा करने वाली पहली महिला भी थीं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने दिया रहस्यमयी ड्रोन दिखाई देने पर उसे मार गिराने का निर्देश

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के विभिन्न हिस्सों में दिखाई देने वाले रहस्यमयी ड्रोन को ''मार गिराने'' का निर्देश दिया है। रहस्यमयी ड्रोन सबसे पहले न्यू जर्सी में देखे गए थे लेकिन उसके बाद से अब इस प्रकार के ड्रोन अन्य स्थानों पर भी दिखाई देने लगे हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार और व्हाइट हाउस ने अब तक यही कहा है कि इनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है और न ही इसमें किसी विदेशी हाथ होने का कोई सबूत है लेकिन फिर भी रहस्यमयी ड्रोन का दिखना

जांच का विषय है। ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''देश भर में रहस्यमयी ड्रोन दिखाई दिए हैं। क्या यह वास्तव में हमारी सरकार की जानकारी के बिना हो रहा है? मुझे ऐसा नहीं लगता, या तो जनता को इसके बारे में अभी जानकारी दो अथवा उन्हें मार गिराओ।'' ट्रंप ने इस पोस्ट के अंत में अपने हस्ताक्षर भी किए। इससे पहले बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति कार्यालय एवं राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस ने कहा था कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि ड्रोन देखे जाने की कथित घटनाएं राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं या उनका किया अन्य देश से संबंध है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने संवाददाताओं को बताया कि आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय और एफबीआई इन घटनाओं की जांच कर रहे हैं, तथा यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये ड्रोन कहां से आ रहे हैं। किर्बी ने कहा, '' अमेरिका का तट रक्षक बल न्यूजर्सी को सहयोग दे रहा।महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में ड्रोन दिखाई देने की कोई सूचना नहीं है....।

सीरिया में फंसे चार भारतीय दिल्ली पहुंचे, निकासी प्रयासों के लिए दूतावास को धन्यवाद दिया

सीरिया, एजेंसी। सीरिया में राजनीतिक उथल–पुथल के बीच सीरिया से निकाले गए चार भारतीय दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। भारत पहुंचने पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्होंने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारतीय दूतावास द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। भारत ने सीरिया से उन सभी नागरिकों को निकाल लिया है जो अरब राष्ट्र में विद्रोही बलों द्वारा राष्ट्रपति बशर असद की सरकार को गिराने के बाद घर लौटने की इच्छा रखते थे। देश में अशांति के कारण रविवार को सीरियाई सरकार का पतन हो गया क्योंकि विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्ज़ा कर लिया। इसके बाद सीरिया में कई अन्य महत्वपूर्ण शहरों और कस्बों पर कब्ज़ा कर लिया गया। दिल्ली पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक भारतीय नागरिक ने कहा मैं 15–20 दिन पहले वहां गया था। हमें नहीं पता था कि ऐसा होगा। भारतीय दूतावास ने हमें निकाला। पहले वे हमें लेबनान ले गए, फिर गोवा और आज हम दिल्ली पहुंच गए हैं। हमें खुशी है कि हम अपने देश पहुंच गए। भारतीय दूतावास ने हमारी बहुत मदद की। वे हमें सीरिया से लेबनान तक बस में ले आए। फिर, वे हमें गोवा ले आए उड़ान और फिर वे हमें ले आए दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने अपने साप्ताहिक मीडिया संबोधन में कहा कि हमने सीरिया में उन सभी भारतीय नागरिकों को निकाल लिया है जो उस देश में हाल के घटनाक्रम के बाद घर लौटने की इच्छा रखते थे। अब तक, सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को निकाला गया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने संवाददाताओं को बताया कि दमिश्क में भारतीय दूतावास के कर्मी उनके साथ सीमा तक गए, जिसके बाद लेबनान में भारत के मिशन ने उन्हें प्राप्त किया और उनका आव्रजन सुनिश्चित किया। जयसवाल ने कहा कि दूतावास ने बेरूत में उनके रहने–खाने और घर वापस आने की व्यवस्था की थी।

सीरियाई जेल से रिहा हुए अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाला गया : अमेरिकी अधिकारी

वासिंग्टन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने सीरिया की जेल से रिहा किए गए एक अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाल लिया। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सात महीने पहले लापता हुए अमेरिकी नागरिक ट्रैविस टिमरमैन को पूर्व राष्ट्रपति बशर असद की कुख्यात जेल में रखा गया था और वह उन हजारों लोगों में से एक था, जिन्हें विद्रोहियों द्वारा इस सप्ताह रिहा किया गया था। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि ट्रैविस टिमरमैन को अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर के जरिये सीरिया से बाहर निकाला गया। टिमरमैन (29) ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वह ईसाई तीर्थयात्रा पर सीरिया गया था

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।